▪ भाद्रपद शुक्ल - 12 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 53 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 15-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ज्ञानवापी को 'मस्जिद' कहना 'दुर्भाग्यपूर्ण' : योगी आदित्यनाथ
6 सिपाही पवन कुमार: शहीद हुए तो पिता बोले- 'मेरे और बेटे होते तो उन्हें भी भारत मां की रक्षा के लिए भेज देता'
7 सेल्फी लेने से इंकार करने पर रवीना टंडन ने लंदन में अपने प्रशंसकों से मांगी माफी

फर्स्ट टेक

राजस्थान के शाहपुरा में धार्मिक शोभायात्रा के दौरान हुआ पथराव

जयपुर/भाषा। राजस्थान के शाहपुरा जिले के जहाजपुर इलाके में शनिवार को जलझूलनी ग्यारस के अवसर पर एक धार्मिक शोभायात्रा पर पथराव के बाद सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार शोभायात्रा पर पथराव के कारण इलाके में हंगामा हुआ, जिसमें एक पुलिस कांस्टेबल घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि इस सिलसिले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। शाहपुरा के पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि यह घटना जहाजपुर में हुई, जब शोभायात्रा के दौरान नारेबाजी और मामूली पथराव हुआ। यह घटना उस समय हुई, जब शोभायात्रा मुस्लिम बहुल इलाके से गुजर रही थी। पुलिस अधीक्षक ने कहा, घटना में एक कांस्टेबल घायल हो गया। कस्बे में अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है और स्थिति नियंत्रण में है।

केरल में इडली खाने की प्रतियोगिता के दौरान एक व्यक्ति की मौत

पलक्कड (केरल)/भाषा। पलक्कड के निकट वालयार में ओणम उत्सव के अवसर पर आयोजित खाने की एक प्रतियोगिता के दौरान इडली गले में फंसने के कारण दम घुटने से शनिवार को 49 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन एक स्थानीय क्लब ने किया था। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान सुरेश के रूप में हुई है, जिसका प्रतियोगिता में भाग लेने के दौरान इडली गले में फंसने के कारण दम घुट गया। वहां मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की और किसी तरह इडली को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। वालयार पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मुकदमा दर्ज किया है।

कोमोरोस के राष्ट्रपति पर चाकू से हमला

मोरोनी (कोमोरोस)/एपी। हिंद महासागर के द्वीपीय देश कोमोरोस के राष्ट्रपति अजाली असौमानी पर शुक्रवार को उस समय चाकू से हमला किया गया जब वह एक धार्मिक नेता के अंतिम संस्कार में भाग लेने पहुंचे थे। इस हमले में असौमानी 'मामूली रूप से घायल' हुए हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय ने बयान में जानकारी दी कि 24-वर्षीय संदिग्ध हमलावर शनिवार को हवालात में मृत पाया गया। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति अजाली असौमानी मामूली रूप से घायल हुए हैं और वह अपने घर लौट आए हैं।

15-09-2024 सूर्यास्त 6:20 बजे	16-09-2024 सूर्योदय 6:08 बजे
BSE 82,890.94 (-71.77)	NSE 25,356.50 (-32.40)
सोना 7,531 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 86,409 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाजिर हो

जनप्रतिनिधि का दायित्व यही,
कर्तव्यों पर वे रहे स्थित।
बहुमूल्य वोट देकर उनको,
हमने चाहा जन-जन का हित।
संसद है पूजा स्थल उनका,
जब खुले रहे तब हाजिर नित।
वर्ना पूछेगी जनता अब,
क्यों रहे सदन से अनुपस्थित।।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अंतिम सांस ले रहा है : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अंतिम सांस ले रहा है और उनकी सरकार ने इस सुंदर क्षेत्र को नष्ट करने वाली वंशवादी राजनीति का मुकाबला करने के लिए एक नया नेतृत्व पेश किया है। जम्मू क्षेत्र के डोडा जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के अपनी सरकार के वादे को दोहराया और लोगों को नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां), कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को फिर से सत्ता में लाने को लेकर आगाह किया।

विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत 18 सितंबर को होने वाले मतदान से पूर्व प्रधानमंत्री की केंद्र-शासित प्रदेश में यह पहली चुनावी रैली थी। इस चरण में जम्मू के तीन जिलों- डोडा, किश्तवाड़ और रामबन तथा दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां और कुलगाम जिलों की 24 सीट पर वोट डाले जाएंगे।

पहले चरण के बाद 25 सितंबर को दूसरे चरण में 26 सीट पर मतदान होगा। आखिरी चरण में एक अक्टूबर को 40 सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

मोदी ने लगभग 45 मिनट के भाषण की शुरुआत रैली में आए लोगों का कश्मीरी भाषा में स्वागत करके की। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा, इस बार (विधानसभा) चुनाव जम्मू-कश्मीर का भविष्य तय करेगा, जो आजादी के बाद से ही विदेशी ताकतों के निशाने पर रहा है।

मोदी ने कहा, इतना ही नहीं, वंशवादी राजनीति ने इस सुंदर क्षेत्र को भीतर से खोखला कर दिया। जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया, उन्होंने कभी आपके बच्चों की परवाह नहीं की। उन्होंने सिर्फ अपने बच्चों की परवाह की और उन्हें आगे बढ़ाया तथा नये नेतृत्व को उभरने नहीं दिया।

दलितों, ओबीसी, आदिवासियों की 'सबसे बड़ी' विरोधी है कांग्रेस

कुरुक्षेत्र/एजेन्सी। हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार आरंभ करते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस को दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों और आदिवासियों का 'सबसे बड़ा' विरोधी करार दिया। मोदी ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनावी रैली को संबोधित करते हुये आरोप लगाया कि सत्ता में आये तो कांग्रेस आरक्षण समाप्त कर देगी। उन्होंने दावा करते हुये कहा, जब तक मोदी है, बाबा साहब के दिये आरक्षण में रत्ती भर भी लूट नहीं होने देगा, हटाने नहीं देगा। यह मोदी की गारंटी है। मोदी ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि कर्नाटक में गणपति जी को भी सलाखों के पीछे डाला जा रहा है। प्रधानमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 फिर से लाना चाहती है। यानी आतंक और अलगाव के उस कालखंड को वापस लाना चाहती है, जिसमें 'हमारे हरियाणा के वीर जवानों' पर पत्थर फेंके जाते थे।

प्रधानमंत्री ने हरियाणा में 24 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) खरीदने का ज़िक्र करते हुये कहा कि कांग्रेस बताये कि तेलंगाना और कर्नाटक में कितनी फसलें एमएसपी पर खरीदते हैं।

मोदी ने दावा किया कि हरियाणा में भाजपा सरकार आने से पहले आधे घरों में नल कनेक्शन नहीं था और अब यह करीब-करीब शत-प्रतिशत नल से जल वाला प्रदेश बन गया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विकास का पैसा एक ही जिले तक सीमित रहने और चुनींदा लोगों के जेब में जाने का आरोप लगाया।

गणेश पूजा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शनिवार को गणपति उत्सव के तहत महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के दक्षिण मुंबई स्थित आधिकारिक आवास पर गणेश पूजा की। इसके बाद, उन्होंने उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास पर जाकर पूजा-अर्चना की। नड्डा ने वहां पार्टी नेताओं के साथ बैठक भी की। बाद में नड्डा ने प्रसिद्ध लालबागचा राजा गणेश पंडाल, बांद्रा पश्चिम गणेश पंडाल, जो मुंबई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार से जुड़ा है, के साथ-साथ चिंचपोकलीचा चिंतामणि गणेश पंडाल का दौरा किया और पूजा-अर्चना की।

दुर्ग-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस पर 'ट्रायल रन' के दौरान पथराव

महासमुंद/भाषा। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में 'ट्रायल रन' के दौरान दुर्ग-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव करने के आरोप में रेलवे सुरक्षा बल ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रेलवे सुरक्षा बल (महासमुंद) के निरीक्षक प्रवीण सिंह धाकड़ ने बताया कि घटना शुक्रवार रात लगभग नौ बजे बागबाहरा रेलवे स्टेशन के करीब हुई, जब ट्रेन 'ट्रायल रन' के दौरान विशाखापत्तनम से दुर्ग लौट रही थी। धाकड़ ने बताया कि ट्रेन 'ट्रायल रन' के लिए दुर्ग से रवाना हुई और रायपुर से गुजरते हुए महासमुंद पहुंची थी। यह शुक्रवार सुबह 7.10 बजे आगे की यात्रा के लिए रवाना हुई थी। उन्होंने बताया कि वापसी में कुछ असामाजिक तत्वों ने बागबाहरा के पास चलती ट्रेन पर पत्थर फेंके, जिससे तीन डिब्बों सी2, सी4 और सी9 की खिड़कियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया कि ट्रेन में यात्रा कर रहे ट्रेन सुरक्षा दल ने घटना की जानकारी दी, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों के एक दल को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में बागबाहरा निवासी शिव कुमार बघेल, देवेंद्र चंद्राकर, जीतू तांडी, लेखराज सोनवानी और अर्जुन यादव को गिरफ्तार किया गया है।

बारामूला मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने तीन आतंकवादियों को मार गिराया

श्रीनगर/एजेन्सी। सुरक्षा बलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों को मार गिराया, जिनमें से दो के पाकिस्तानी होने का संदेह है। सेना ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर यह अभियान काफी महत्वपूर्ण है। यह अभियान कश्मीर घाटी में शांति भंग करने के उद्देश्य से पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को विफल करने में सुरक्षा बलों की एक बड़ी सफलता को दर्शाता है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर एक दशक में बाद बार विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश में 18 सितंबर से शुरू होने वाले विधानसभा चुनाव तीन चरणों में होंगे।

हिंदी और अन्य भाषाओं में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हो सकती : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि राजभाषा हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच कभी कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हो सकती, क्योंकि वे सखियां हैं और एक-दूसरे की पूरक हैं।

शाह ने हिंदी दिवस के अवसर पर चौथे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार तब तक नहीं हो सकता, जब तक अन्य सभी भारतीय भाषाओं को मजबूत नहीं किया जाता और राजभाषा उन सभी के साथ संवाद स्थापित नहीं करती। उन्होंने कहा, ''हिंदी और स्थानीय भाषाओं के बीच कभी प्रतिस्पर्धा नहीं हो सकती, क्योंकि हिंदी सभी स्थानीय भाषाओं की सखी है। हिंदी और सभी स्थानीय भाषाएं एक-दूसरे की पूरक हैं, इसलिए उनके बीच का रिश्ता और मजबूत किया जाएगा।''

गृह मंत्री ने कहा कि हिंदी दिवस हिंदी को संपर्क भाषा, आम भाषा, तकनीकी भाषा और अब अंतरराष्ट्रीय भाषा बनाने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने कहा, ''हम हिंदी को राजभाषा के रूप में मान्यता मिलने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हीरक जयंती मना रहे हैं।

ईरान ने अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक उपग्रह भेजने का किया दावा

तेहरान/एपी। ईरान ने देश के अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड द्वारा बनाए गए एक रॉकेट से शनिवार को एक उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी।

ईरान ने इस प्रक्षेपण को सफल बताया जो उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने वाला दूसरा प्रक्षेपण होगा। हालांकि प्रक्षेपण के सफल होने के बारे में स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और न ही ईरान के अधिकारियों ने इस संबंध में कोई फुटेज या अन्य विवरण उपलब्ध कराया है।

पश्चिमी देशों को आशंका है कि इससे ईरान को अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है।

गाजा में इजराइल-हमास युद्ध को लेकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने यह प्रक्षेपण किया है। युद्ध के दौरान ईरान ने इजराइल पर अभूतपूर्व तरीके से सीधे तौर पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

इस बीच, ईरान का यूरेनियम संवर्धन हथियार बनाने के लिए जरूरी संवर्धन स्तर के करीब पहुंचने को है। तेहरान के इस कार्यक्रम को लेकर निरस्त्रीकरण विशेषज्ञों ने चिंता जताई है।

ईरान ने कहा है कि उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए 'कायम-100' रॉकेट का इस्तेमाल किया गया और रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने जनवरी में एक अन्य सफल प्रक्षेपण के दौरान इसका इस्तेमाल किया था।

सरकारी मीडिया ने खबर दी कि चमरान-1 नामक इस उपग्रह

'सनातन धर्म सर्व-समावेशी, भगवान राम भारत को जोड़ने वाली कड़ी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने शनिवार को यहां कहा कि सनातन धर्म, चाहे कोई इसमें विश्वास करे या नहीं, सर्व-समावेशी है और भगवान राम आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से भारत को जोड़ने वाली कड़ी हैं।

सनातन धर्म की तीखी आलोचना को याद करते हुए उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि यह गलत धारणा बनाई जा रही है कि भगवान राम उत्तर भारतीय देवता हैं जबकि ऐसा नहीं है। राज्यपाल ने कहा, ''भारत के सबसे पूजनीय राष्ट्रीय प्रतीक श्री राम तमिलनाडु के लोगों के दिलों में भी बसते हैं। इस पवित्र भूमि के हर इंच पर उनके पदचिह्न हैं। वे वह कड़ी हैं जो भारत को जोड़ती है और वसुधैव कुटुम्बकम के वैश्विक दृष्टिकोण सहित इसकी संस्कृति और दर्शन को आकार देते हैं।''

डी. के. हरि और डी. के. हेमा हरि द्वारा लिखी गई किताब ''श्रीराम इन तमिलगम: एन इनसेपरेबल बॉन्ड'' के विमोचन के अवसर पर राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि श्री राम के आदर्शों पर एक आत्मनिर्भर और पूर्ण विकसित भारत का निर्माण किया जाएगा। रवि ने कहा, ''लोगों ने सनातन धर्म पर हमला करना शुरू कर दिया, इसे वायरस, डेंगू कहने लगे...सनातन धर्म सभी के समावेशन की बात करता है, भले ही आप इसमें विश्वास न करते हों।''

राज्यपाल ने कहा कि पूर्वोत्तर से लेकर कन्याकुमारी के दक्षिणी छोर तक राम हर जगह मौजूद हैं और उनके नाम का जाप उन लोगों द्वारा किया जाता है जिनके दिलों में वे सदा निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि वह (भगवान राम) देश को जोड़ने वाली एक कड़ी हैं और रामराज्य की अवधारणा को भारत के संविधान में शामिल किया गया है।

किसान हितैषी मोदी सरकार : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसान हितैषी हैं और कृषि तथा किसान कल्याण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

चौहान ने यहां कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के हित में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि किसान हितैषी मोदी सरकार ने किसानों के हित में निर्णय लेते हुए खाद्य तेलों के आयात शुल्क को शून्य से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया है। अन्य मदों को जोड़ने पर कुल प्रभावी शुल्क 27.5 प्रतिशत हो जाएगा। इस कदम से सभी तिलहन किसानों ख़ासतौर से

सोयाबीन और मूँगफली के किसानों को अच्छे भाव मिलेंगे जिनकी फसल अभी बाज़ार में आने वाली है। साथ ही रबी में तिलहन की बुवाई में बढ़ोतरी होगी और सरसों की फसल के भी अच्छे दाम मिल पायेंगे।

चौहान ने कहा कि इस निर्णय से सोया खली का उत्पादन बढ़ेगा और उसका निर्यात हो सकेगा। साथ ही, सोया से जुड़े अन्य क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण के प्रति संवेदनशील मोदी सरकार ने बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क को हटाने का निर्णय भी लिया है। निर्यात शुल्क के हट जाने से बासमती उत्पादक किसानों को अपनी उपज के उचित दाम मिलेंगे और बासमती चावल की मांग बढ़ने के साथ ही निर्यात में भी वृद्धि होगी। किसानों के विकास के लिए प्रतिबद्ध मोदी सरकार ने रिफाइन ऑयल के लिए मूल शुल्क को 32.5 प्रतिशत तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से रिफाइनरी तेल के लिए सरसों, सूरजमुखी और मूंगफली की फसलों की मांग बढेगी।

चौहान ने कहा कि किसानों को इन फसलों के बेहतर दाम मिल सकेंगे। साथ ही, छोटे एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रिफाइनरी बढ़ने से वहां रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

आरजी कर मुद्दे प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने दावा किया

पश्चिम बंगाल सरकार वार्ता के लिए गंभीर नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। आरजी कर मुद्दे पर गतिरोध को दूर करने के लिए प्रस्तावित वार्ता शनिवार को विफल होने के बीच प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अपील पर वे सीधे प्रसारण की अपनी मांग से पीछे हटते हुए बैठक में शामिल होने पर सहमत हो गये थे लेकिन उन्हें ''असंवेदनशील तरीके से'' कार्यक्रम स्थल से चले जाने को कहा गया।

मुख्यमंत्री आवास से जाने से पहले एक आंदोलनकारी डॉक्टर ने कहा कि वे सीधा प्रसारण या वीडियो रिकार्डिंग के बिना ही बैठक में शामिल होने पर राजी हो गये थे

जेसा कि बनर्जी ने अनुरोध किया था। यह वार्ता मुख्यमंत्री निवास में रखी गयी थी।

इन डॉक्टर ने कहा, '' जब हम यहां आये थे तब हमने वार्ता की वीडियो रिकार्डिंग या सीधे प्रसारण की मांग की थी। हमें उसकी अनुमति नहीं दी गयी। तब मुख्यमंत्री बाहर आयीं और उन्होंने यह वादा करते हुए हमसे वार्ता में शामिल होने की अपील की कि हमें बैठक का पूरा विवरण मिलेगा। हमने आपस में इस प्रस्ताव पर चर्चा की और हम बिना सीधे प्रसारण या वीडियो रिकार्डिंग के बैठक में शामिल होने पर राजी हो गये।'' उन्होंने कहा, ''जब हमने स्वास्थ्य राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य को यह बात बताई तो हमें वहां से चले जाने को कहा गया क्योंकि बहुत देर हो चुकी थी और वे तीन घंटे से हमारा इंतजार कर रहे थे। हमें असंवेदनशील तरीके से वहां से चले जाने को कहा गया।''

कैमरे के सामने आंखों में आंसू लिए एक अन्य डॉक्टर ने कहा कि इस घटना से राज्य सरकार की 'असली मंशा' सामने आयी। उन्होंने कहा, '' यह दर्शाता है कि इस वार्ता के प्रति कौन गंभीर नहीं है।''

जूनियर डॉक्टरों ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें नजर आ रहा है कि भट्टाचार्य उनसे वहां से चले जाने को कह रही हैं क्योंकि काफी देर हो चुकी हैं।

प्रधानमंत्री के आवास में बछिया का जन्म, 'दीपज्योति' रखा नाम

नई दिल्ली/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास में एक नई सदस्य–बछिया का आगमन हुआ है जिसका नाम 'दीपज्योति' रखा गया है।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए सूचना दी कि 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री के आवासीय परिसर में 'गौ माता' ने एक बछिया को जन्म दिया है। उन्होंने अपने आवास पर बछिया के साथ समय बिताते हुए अपना एक वीडियो भी साझा किया।

मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, ''हमारे शास्त्रों में कहा गया है – 'गाव: सर्वसुख प्रदा:'। लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है।''

उन्होंने लिखा, ''प्रधानमंत्री आवास में प्रिय गौ माता ने एक 'नव वत्सा' को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है इसलिए, मैंने इसका नाम 'दीपज्योति' रखा है।'' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''7, लोक कल्याण मार्ग में एक नई सदस्य! दीपज्योति वाकई बहुत प्यारी है।''

प्रधानमंत्री ने कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें वह अपने आवास पर बछिया के साथ समय बिताते दिख रहे हैं। 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो में प्रधानमंत्री बछिया को अपने आवास ले जाते हुए, घर के मंदिर में उसके साथ बैठते हुए और उसे बगीचे में ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

सहज स्मृति योग

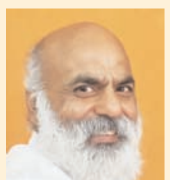

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: मैं खगोल विज्ञान पढ़ती–पढ़ाती हूँ। समय मेरा प्रिय विषय है। आपने समय की जो परिभाषा की है, मैं नहीं जानती आप कैसे और किस प्रकार से शोध कर उस परिभाषा के निष्कर्ष पर पहुँचे पर, अब तक जो विज्ञान सम्मत ज्ञान उपलब्ध है आपकी दी परिभाषा उससे कुछ आगे की ही लगती है। इसलिए मैं आपसे मिलना भी चाहती हूँ। आपसे मेरा प्रश्न है कि ईटरनिटी से टाइम कब और कैसे तथा कहाँ और क्यों अलग हुआ ? और क्या इस सैपरेशन को सिद्ध किया जा सकता है?

उत्तर: तत्वत: असंपृक्त (सैपरेट) तो कभी भी कुछ भी, किसी से भी कहीं भी, होता ही नहीं है। केवल प्राकट्य (अपीयरेंस) होता है और उसमें भी केवल सघनता (इंटेंसिटी) का अंतर होता है। जैसा अलगाव स्थूल दृष्टि से दिखता है वैसा सूक्ष्म दृष्टि से देखने पर समाप्त हुआ ही मिलता है। समय भी शाश्वत स्वरूप से सनातन चैतन्य तत्व में ही स्थित एक अवस्था है जिसका स्वतंत्र आभास चैतन्य के एक से अनेक होने की उमंग के घटित होने के क्षण में होता है और अनेक के एक होने के आभास होने की उमंग के क्षण में इसका समापन होता है। इसी उमंग–अवधि के बीच सारा सृष्टि चक्र घूमता रहता है। खेल चलता रहता है। कहाँ, कब और कैसे का उत्तर तो यही है। होने को तो क्यों का भी उत्तर यही है। पर, आप यदि यह जानना चाहतीं हैं कि उमंग क्यों उठती है ? अर्थात् खेल क्यों चलता है? तो इसकी अनुभूति तो खेल नहीं चलने (उमंग नहीं उठने) की अवस्था में ही संभव होती है। सनातन (ईटरनिटी) अनुभूति की ऐसी ही अवस्था है जिसमें यह सदा सिद्ध है कि परम अवस्था में अलगाव है ही नहीं है। आपका प्रिय विषय, न केवल 'विषय' नहीं है बल्कि, तत्वत: तो उसका अस्तित्व भी नहीं है। वह केवल एक आभास भर है।जो ज्ञानावस्था में समाप्त (लयलींन) बना रहता है। केवल अज्ञानावधि में भासता है।

प्रथम गणेश उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बन्नरगट्टा–गोट्टीगेरे क्षेत्र में स्थित सोलरिस सोसायटी में गणेश उत्सव मंडल की स्थापना कर प्रथम गणेश उत्सव मनाया गया। इस पांच दिवसीय उत्सव में भजन कीर्तन सहित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें सोसायटी के निवासियों ने भाग लिया।

हनुमंतनगर में सामूहिक रूप से जय-जाप का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्त्वावधान में एवं साध्वीश्री धर्मप्रभाजी व स्नेहप्रभाजी के सान्निध्य में आचार्यश्रक्ष जय जयमल– आत्म–शिव जयन्ती समारोह के पहले दिन अध्यात्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जिसमें सबसे पहले जय–जाप आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि महापुरुषों के गुणानुवाद करने से जिव्हा पवित्र बनती हैं और आत्मा पवित्र, निर्मल शुद्ध बनती हैं। महापुरुषों का जीवन प्राणीमात्र के लिये प्रेरणादायी एक नवीन ऊर्जा का स्रोत होता है।

उन्होंने कहा कि तपस्या आत्मशुद्धि का पवित्र साधन हैं। ममता का त्याग कर समता भाव में आगे बढ़ने वाला ही इन्द्रिय संयम रखकर प्रभु महावीर के बताये 4 प्रकार के मोक्षमार्ग में से एक तप को भी उन्नत श्रेष्ठ महान बताया।साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने सभी जाप करने वाल भाई–बहन और तपस्वियों के तप की मंगल अनुमोदना करते हुए कहा कि जय जाप बड़ा ही कल्याणकारी, मंगलकारी, अलौकिक जाप है। आचार्य श्री जयमल महाराज जिनशासन के सच्चे प्रहरी, गुणों के दित्य भंडार और महायोगी तपस्वी संत महापुरुष थे, जिन्होनें ढाजी से लेकर महलों तक प्रभु महावीर की जिनवाणी की अलख जगाई। संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन मंत्री सुरेश धोका ने किया।

कांग्रेस ने सेबी प्रमुख पर चीनी कंपनियों में निवेश का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा

कांग्रेस ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच पर शनिवार को एक बार फिर निशाना साधा और उन पर चीन की कंपनियों में निवेश का आरोप लगाते हुए कहा कि वह ऐसे समय यह सब कर रही हैं जब भारत चीन के साथ भू–राजनीतिक तनाव का सामना कर रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी माधवी बुच की इस गतिविधि से अवगत हैं?

अमेरिकी संस्था 'हिंडनबर्ग रिसर्च' ने हाल ही में बुच पर अदाणी समूह से जुड़े मामले में हितों के टकराव का आरोप लगाया था। इसके बाद से कांग्रेस उन्हें हटाए जाने की मांग कर रही है। माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने अनियमितता बरतने और हितों के टकराव को लेकर कांग्रेस की तरफ से लगाए गए आरोपों से शुक्रवार को इनकार करते हुए कहा था कि ये आरोप 'गलत, प्रेरित और मानहानिकारक' हैं।

बुच ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस की तरफ से लगाए गए आरोप उनके द्वारा दाखिल आयकर रिटर्न में दर्ज विवरणों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय मामलों से जुड़ी सभी सूचनाओं का उनकी तरफ से पूरी तरह खुलासा किया गया है और करों का उचित भुगतान भी किया गया है। जयराम रमेश ने बुच के ''व्यक्तिगत वित्तीय लाभ से संबंधित खुलासों'' का उल्लेख करते हुए शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' क्या प्रधानमंत्री इस बात से अवगत हैं कि सेबी प्रमुख के पास जब अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी थी, तब भी वह सूचीबद्ध प्रतिभूतियों में व्यापार कर रही थीं?'' उन्होंने यह भी पूछा, ''क्या प्रधानमंत्री इस बात से अवगत हैं कि माधवी पी. बुच ने भारत के बाहर उच्च मूल्य के निवेश किए हैं? यदि हां, तो इस निवेश की तिथि और खुलासे की तिथि क्या है? क्या प्रधानमंत्री को पता है कि सेबी अध्यक्ष ऐसे समय में चीनी कंपनियों में निवेश कर रही हैं जब भारत चीन के साथ भू–राजनीतिक तनाव का सामना कर रहा है?'' कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को सेबी प्रमुख को फिर घेरा और आरोप लगाया कि उन्होंने भारत के लोगों को धोखा दिया है। खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''दो सितंबर 2024 को कांग्रेस ने खुलासा किया था कि माधवी बुच ने आईसीआईसीआई बैंक और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल से 16.8 करोड़ रुपए (वेतन, ईएसओपी और ईएसओपी पर टीडीएस के रूप में) प्राप्त किए, जबकि उन्हें सेबी से भी वेतन मिल रहा था। चौंकाने वाली बात यह है कि सेबी इस दौरान आईसीआईसीआई और उसके सहयोगियों के खिलाफ शिकायतों को संभाल रहा था।''

उनके मुताबिक, ''तीन सितंबर 2024 को आईसीआईसीआई बैंक द्वारा स्पष्टीकरण जारी करने के बाद, हमने सेवानिवृत्ति लाभ, ईएसओपी, और ईएसओपी पर टीडीएस के बारे में नए तथ्यों के साथ जवाब मांगा। अब तक, आईसीआईसीआई ने इन बिंदुओं पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।'' खेड़ा ने 10 सितंबर को यह दावा भी किया था कि माधवी के सेबी की पूर्णकालिक सदस्य रहते उनके पति धवल बुच को साल 2019–21 के बीच महिंद्रा एंड महिंद्रा से 4.78 करोड़ रुपए मिले। उन्होंने शनिवार को कहा, ''महिंद्रा एंड महिंद्रा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उन्होंने धवल बुच को व्यक्तिगत रूप से और अगोरा एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड को बड़ी रकम का भुगतान किया है? यदि ऐसा है, तो क्या वे सार्वजनिक धन हस्तांतरित करने से पहले केवाईसी और सम्यक तत्परता का पालन करने में विफल रहे?'

केजरीवाल ने अपनी पत्नी और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ भगवान हनुमान का आशीर्वाद लिया

नई दिल्ली/भाषा

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तिहाड़ जेल से रिहा होने के एक दिन बाद शनिवार को भगवान हनुमान का आशीर्वाद लिया और कहा कि ''अन्याय के खिलाफ संघर्ष'' में भगवान का आशीर्वाद सदा उनके ऊपर रहा। केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे और भगवान से सभी की खुशहाली तथा समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। मंदिर के महंत ने तिलक लगाकर उनका स्वागत किया और दिल्ली के मुख्यमंत्री को बजरंग बली की गदा और एक ध्वज भेंट किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज भी उनके साथ रहे। केजरीवाल ने अपनी पत्नी के साथ पूजा–अर्चना की और शिवलिंग पर जल चढ़ाया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने इस दौरे का एक वीडियो भी साझा किया।

पोस्ट में उन्होंने कहा, ''आज अपनी धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल और अन्य साथियों के साथ कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पहुंचकर हनुमान जी का पूजन–अर्चन कर उनका आशीर्वाद लिया। अन्याय के खिलाफ इस संघर्ष में हनुमान जी का आशीर्वाद सदा हमारे ऊपर रहा।'' उन्होंने कहा, ''प्रभु से सभी की सुख–समृद्धि की प्रार्थना की। देश को बचाने की इस लड़ाई में प्रभु हम सबका ये साहस बनाए रखें।'' आम आदमी पार्टी (आप) ने 'एक्स' पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पत्नी और पार्टी के अन्य नेताओं द्वारा हनुमान मंदिर में की गई पूजा–अर्चना का एक वीडियो और फोटो साझा किए। 'आप' ने पोस्ट कर कहा, ''फर्जी केस और तानाशाही से लड़कर जेल से बाहर आए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कनॉट प्लेस के प्राचीन हनुमान मंदिर में अंजनी पुत्र हनुमान जी और भगवान भोलेनाथ जी के दर्शन और पूजा–अर्चना कर देश के सभी लोगों की सुख–शांति के लिए प्रार्थना की।''

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के जीतो चैप्टर के चेयरमैन कांतिलाल जैन, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, कोषाध्यक्ष विनोद बाकलीवाल, सहसचिव प्रेम पालरेचा, बाबूलाल सालेचा, पार्षद नागभूषण, रामराज ने गेंगरिन रोग के कारण एक पांव गंवाने वाले जोसेफ मर्लिन को सहयोग देने के उद्देश्य से तिपहिया वाहन भेंट किया। इसी मौके पर एक राजस्थानी व्यक्ति को गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए आर्थिक सहयोग का चेक भेंट किया।

कर्नाटक में सवर्ण जाति के युवक के खिलाफ पॉक्सो शिकायत के बाद दलितों का बहिष्कार

यादगीर। कर्नाटक में यादगीर जिले के एक गांव में सवर्ण जाति के एक युवक के खिलाफ पॉक्सो के तहत शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद दलित परिवारों को कथित तौर पर सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस ने शनिवार को यह बात कही। पुलिस के अनुसार, अगस्त में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी जिसमें आरोप लगाया गया कि हुनसागी तालुक के पास संबंधित गांव के सवर्ण जाति के 20 वर्षीय एक व्यक्ति ने नाबालिग लड़की के साथ संबंध बनाए जिससे वह गर्भवती हो गई। इसमें कहा गया कि चूंकि लड़की दलित समुदाय से थी, इसलिए व्यक्ति ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया और पीड़िता एवं उसके परिवार को धमकी दी कि वे इस बारे में किसी को न बताएं। पीड़ित परिवार के समझौता न करने पर ग्रामीणों के एक वर्ग ने कथित तौर पर दलित समुदाय के सदस्यों का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। शुक्रवार को अधिकारियों द्वारा शांति समिति की बैठक आयोजित की गई और सभी मतभेदों को सुलझा लिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''अब हालात सामान्य हो गए हैं। मुद्दे सुलझा लिए गए हैं।''

उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ बलात्कार, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
बिकाऊ
FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

हरियाणा ने तय कर लिया है कि भाजपा हैट्रिक लगाएगी: कुरुक्षेत्र में चुनावी रैली में मोदी

कुरुक्षेत्र/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि हरियाणा ने तय कर लिया है कि भाजपा राज्य में पांच अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कर हैट्रिक लगाएगी। हरियाणा विधानसभा चुनाव घोषणा के बाद अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला और नए कार्यकाल में अपनी सरकार के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि केंद्र की नई राजग सरकार को अभी 100 दिन भी पूरे नहीं हुए हैं, लेकिन उसने पहले ही लगभग 15 लाख करोड़ रुपए के काम शुरू कर दिए हैं।

हरियाणा की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर हमला करते हुए मोदी ने कहा, ''हमने कांग्रेस सरकार का वह दौर देखा है जब विकास के लिए पैसा सिर्फ एक जिले तक सीमित रहता था।'' मोदी ने कहा कि भाजपा ने समान रूप से विकास कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति देश में झूठ और अराजकता फैलाने तक सीमित हो गई है। उन्होंने कहा कि आज की कांग्रेस 'अर्बन नक्सल' का नया रूप बन गई है और उसे झूठ बोलने में कोई शर्म नहीं आती।

हिमाचल मस्जिद विवाद: राज्य के कई शहरों में बंद, प्रदर्शनकारियों ने बाहरी लोगों के सत्यापन की मांग की

शिमला/हमीरपुर/भाषा। हिमाचल प्रदेश में 'अनधिकृत' मस्जिदों के निर्माण और प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की हालिया कार्रवाई के खिलाफ शनिवार को राज्य में दो घंटे के बंद के आह्वान का असर कई शहरों में देखने को मिला। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और विभिन्न व्यापारिक समूहों द्वारा पूर्वाह्न 11 बजे तक के बंद के बाद, बिलासपुर, कुल्लू, चंबा, हमीरपुर, पांवटा साहिब और अन्य स्थानों पर कुछ हिंदू संगठनों ने विरोध मार्च निकाला। शिमला में इसका ज्यादा असर नहीं दिखा क्योंकि व्यापार मंडल ने बृहस्पतिवार को ही बंद का आह्वान किया था। प्रदर्शनकारियों ने हमीरपुर और चंबा शहरों में बंद के दौरान हनुमान चालीसा का पाठ किया और नारे लगाए। विहिप पदाधिकारियों ने बताया कि यह विरोध प्रदर्शन शिमला में एक मस्जिद में अनधिकृत निर्माण और मंडी में एक मस्जिद द्वारा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के अलावा बुधवार को शिमला में हिंदू समूहों के प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और शुक्रवार को मंडी में प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछार किए जाने के खिलाफ था।

प्रदर्शनकारी राज्य में रह रहे बाहरी लोगों का सत्यापन करने की भी मांग कर रहे हैं। मनाली व्यापार मंडल के महासचिव रजनीश ने कहा, ''मनाली व्यापार मंडल ने दो घंटे तक दुकानें बंद रखीं।''

डलहौजी में भी दुकानें बंद रहीं। डलहौजी के एक दुकानदार ने बताया कि बाहरी लोगों की उपयुक्त जांच की जानी चाहिए और अतिक्रमण करने वालों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

शिमला शहर के संजौली क्षेत्र में बुधवार को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में चार पुलिसकर्मियों सहित 10 लोग घायल हो गए। इस संबंध में पुलिस ने 50 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

विहिप के प्रदेश अध्यक्ष केशव वर्मा ने कहा,''चंबा में मुसलमानों द्वारा कानून हाथ में लेने की कई घटनाएं हुई हैं और हम लंबे समय से बाहरी लोगों के सत्यापन की पुरजोर मांग कर रहे हैं।'' विहिप के प्रदेश सहायक सचिव पंकज भारतीय ने कहा, ''विहिप हिंदुओं और स्थानीय लोगों के अधिकारों के लिए लड़ती रहेगी तथा फर्जी आधार कार्ड वाले अन्य राज्यों के लोगों को उनके (स्थानीय लोगों के) हितों को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं देगी।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''हमीरपुर सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में कई अनधिकृत मस्जिदें बन गई हैं।'

स्वदेश लौटे तेलंगाना के युवक ने यूक्रेन-रूस युद्ध के भयावह मंजर के बारे में बताया

हैदराबाद/भाषा। रूस की सेना में मर्जी के बगैर भर्ती किए जाने और महीनों तक यूक्रेन–रूस की युद्धग्रस्त सीमा पर फंसे रहने के बाद तेलंगाना का 22 वर्षीय युवक अंतत: स्वदेश लौट आया है। उसने स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए शनिवार को केंद्र सरकार के प्रति आभार जताया।

मोहम्मद सूफियान ने कहा, ''मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं घर लौट आया हूं। वहां जारी युद्ध के भयावह दृश्य अभी भी मेरे जहन में ताजा हैं...।''

सूफियान यूक्रेन के साथ युद्ध में रूसी सेना में सहायक कर्मचारी के तौर पर काम कर रहा था और शुक्रवार रात वह सुरक्षित घर लौट आया।

सूफियान तेलंगाना के नारायणपेट जिले का निवासी है। उसने वापसी में मदद के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, तेलंगाना सरकार और मीडिया को धन्यवाद दिया।

मंत्री ने कर्नाटक में दूध की कीमतों में जल्द बढ़ोतरी का संकेत दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। कर्नाटक के सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने शनिवार को दूध की कीमतों में जल्द बढ़ोतरी का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि इस पर निर्णय लेने के लिए जल्द ही बैठक बुलाई जाएगी।

राजन्ना ने कहा, ''मैंने मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया है कि पूरे देश में कोई भी ऐसा राज्य नहीं है, जो हमसे कम कीमत पर किसानों से दूध खरीदता हो। इसी तरह कोई भी ऐसा राज्य नहीं है, जो हमसे कम कीमत पर उपभोक्ताओं को दूध बेचता हो।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''हम 31 रुपये प्रति लीटर पर के हिसाब से दूध खरीदते हैं और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के सॉफ्टवेयर लगाने के बाद किसानों को प्रति लीटर दो रुपये अधिक कीमत (औसतन 31 रुपये) मिल सकती है। हम इसे 45 रुपये प्रति लीटर बेचते हैं ...लेकिन देश का कोई भी राज्य 31 रुपये में दूध खरीदकर 45 रुपये में नहीं बेचता है। अन्य राज्यों में वे दूध 58-60 रुपये (प्रति लीटर) बेचते हैं।''

सिद्दरामय्या ने दिव्यांग दलित को आवंटित भूखंड पर मकान बनवा लिया : कुमारस्वामी ने आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच डी कुमारस्वामी ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर आरोप लगाया कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एक दिव्यांग दलित व्यक्ति को आवंटित भूखंड पर मकान बनवा लिया। उन्होंने कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा एक लेआउट में उनकी पत्नी को 14 भूखंडों के आवंटन से जुड़ी अवैधताओं के संबंध में मुख्यमंत्री के खिलाफ मैसूरु में यह एकमात्र आरोप नहीं है।

इस आरोप के संबंध में राज्यपाल ने सिद्दरामय्या के खिलाफ जांच की मंजूरी दे दी है।

कुमारस्वामी ने कहा, ''...क्या हमने अभी नहीं देखा है कि उन्होंने किसानों के लिए क्या किया है? क्या हम मैसूरु में (एमयूडीए भूखंड आवंटन घोटाले का जिक्र करते हुए) (विकास) नहीं देख रहे हैं? इन 15 भूखंड (वास्तव में 14) को एक तरफ रख दें। उपमुख्यमंत्री के तौर पर उन्होंने किसकी जमीन पर मकान बनाया, क्या आप इसका रिकॉर्ड चाहते हैं?''

यहां संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा, एक दलित को आवंटित एमयूडीए के भूखंड पर अवैध रूप से घर किसने बनाया? 15 भूखंड लेना आपके (सिद्दरामय्या) के खिलाफ एकमात्र चीज नहीं है, मैसूरु में आपके खिलाफ कई चीजें हैं। एक दिव्यांग और दलित व्यक्ति को एमयूडीए ने 24,000 रुपये का भुगतान करने पर एक भूखंड आवंटित किया था। लेकिन उस स्थान पर, आपने सकाम्मा के नाम पर झूठे दस्तावेज बनाकर, सकाम्मा से 10,000 वर्ग फुट जमीन ले ली और मकान का निर्माण कराया।

सिद्दरामय्या ने क्रमशः जनता दल और जनता दल (एस) के सदस्य के रूप में 1996 से 1999 और फिर 2004 से 2005 तक कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था, लेकिन कुमारस्वामी ने यह नहीं बताया कि ऐसा कब हुआ था।

कर्नाटक में ब्लॉक और जिला अध्यक्ष बदले जाएंगे : केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर ने शनिवार को कहा कि लोगों तक बेहतर पहुंच बनाने और संगठन को और मजबूत करने के लिए अगले एक महीने के भीतर राज्य में ब्लॉक स्तर और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को बदला जाएगा। चंद्रशेखर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) और केपीसीसी के पास राज्य के प्रत्येक व्यक्ति के साथ पार्टी के काम करने के तरीके में बदलाव लाने का एक दृष्टिकोण है।

उन्होंने कहा, हम राज्य में विकास का नया मॉडल लाने पर विचार कर रहे हैं। हमारी पार्टी विकास के मामले में विपक्ष के साथ मिलकर काम करना पसंद करती है और उन सभी मामलों से दूर रहती है, जो राज्य के विकास से संबंधित नहीं हैं। चंद्रशेखर ने कहा, हम तटीय क्षेत्र के लोगों का बहुत सम्मान करते हैं, जिन्हें दूरदर्शी और समझदार माना जाता है, लेकिन यह भी सच है कि हमारे पास ऊपरी सदन और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में पर्याप्त संख्या बल नहीं है।

उन्होंने कहा, हमारा प्रयास न केवल राज्य में दूसरे और तीसरे स्तर के नेतृत्व को मजबूत कर अपने आधार को मजबूत बनाते हुए विकास समर्थक कार्यबल तैयार करना है। राज्यसभा सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि वह और केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष स्तर के उनके चार सहयोगी पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में नयी सोच जगाने के लिए हर जिले में जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, इस कदम से कांग्रेस में नये जोश का संचार होगा, क्योंकि पार्टी शिगगांव, चेन्नापटना और संधूर विधानसभा क्षेत्रों के अलावा विधान परिषद की खाली सीटों पर प्रस्तावित उपचुनाव की तैयारियों में जुटी है। इसके बाद शहरी स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव भी होने हैं।

चंद्रशेखर ने बदलाव के कारण के बारे में पूछे जाने पर कहा कि अधिकांश लोग पहले ही अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी उन लोगों को पुरस्कृत करना चाहती है, जिन्हें राजनीतिक कारणों से 2023 के राज्य विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया जा सका था।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पॉक्सो मामले की सुनवाई में देरी पर फटकार लगाई

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा कि पांच साल की एक बच्ची के दुष्कर्म और हत्या मामले की सुनवाई पिछले सात साल से लंबित रहने के कारण पूरी फौजदारी न्याय प्रणाली शर्मसार हुई है। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 के तहत यह अनिवार्य है कि जहां तक संभव हो इस अधिनियम में दर्ज मुकदमे की सुनवाई एक साल में पूरी कर ली जाए। उच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसे मामलों में देरी, जहां अपराध जघन्य है और 'तथ्य भयावह' हैं, कानूनी और न्यायिक प्रणाली की दुखद स्थिति को प्रतिबिंबित करती है। अदालत ने रेखांकित किया कि पॉक्सो अधिनियम की धारा 35 (2) एक वर्ष के भीतर मामले की सुनवाई पूरी करने की बात करती है, लेकिन संबंधित सुनवाई अदालत में कई मामले लंबित हैं। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने उक्त टिप्पणियां यह कहते हुए कीं कि 2017 में ही दो आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मामले में संज्ञान लिया गया था, लेकिन उन्हें अभी तक न्याय के कटघरे में नहीं लाया गया है।

मामले के आरोपियों में से एक चंदना ने इस आधार पर जिरह के लिए नौ गवाहों को दोबारा बुलाने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी कि सुनवाई अदालत ने उसकी अर्जी को खारिज कर दिया, जबकि आरोपी के वकील ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर जिरह नहीं की थी। उच्च न्यायालय ने उपरोक्त तथ्य पर संज्ञान लेते हुए नौ गवाहों को दोबारा बुलाने की अनुमति दे दी, क्योंकि आरोपी ने उनसे दोबारा जिरह के अधिकार का लाभ नहीं लिया था।

उद्घाटन

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को मलावल्ली मंड्या जिले के पास गगनचुक्की जलापटोत्सव का उद्घाटन करते हुए।

राहुल गांधी के आरक्षण संबंधी बयान के खिलाफ भाजपा ने किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने शनिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरक्षण संबंधी बयान के खिलाफ प्रदर्शन किया और कांग्रेस को 'दलित-विरोधी और आरक्षण-विरोधी'' करार दिया। राहुल ने अमेरिका के जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में छात्रों से संवाद के दौरान सोमवार को कहा था कि कांग्रेस तभी आरक्षण खत्म करने के बारे में सोचेगी, जब देश में सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे और फिलहाल भारत में ऐसी स्थिति नहीं है।कांग्रेस नेता के बयान के खिलाफ भाजपा ने यहां फ्रीडम पार्क के पास प्रदर्शन किया। भाजपा नेता एवं विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सी. नारायणस्वामी ने प्रदर्शन की अगुवाई की। इस दौरान हाथ में बैनर और तख्तियां लेकर पार्टी नेताओं ने राहुल गांधी और कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने गांधी का पुतला जलाने की भी कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया।

नारायणस्वामी ने कहा कि गांधी के बयान ने साबित कर दिया है कि कांग्रेस ''दलित-विरोधी और आरक्षण-विरोधी'' है। भाजपा ने नारायणस्वामी के हवाले से एक विज्ञप्ति में कहा, ''देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि वह आरक्षण के खिलाफ हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी एवं राजीव गांधी (नेहरू की क्रमश: बेटी और नाती दोनों) ने भी यही कहा था।

अब राहुल गांधी ने इस विरासत को आगे बढ़ाया है।'' उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में कम सीट जीतने के कारण जब कांग्रेस को आधिकारिक रूप से विपक्ष का दर्जा नहीं मिल पाया था तो मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी को लोकसभा में पार्टी का नेता बना दिया गया। भाजपा नेता ने कहा, अब जब कांग्रेस को आधिकारिक विपक्ष की भूमिका मिल गई है तो राहुल गांधी ने पद (नेता प्रतिपक्ष) ले लिया है।

कांग्रेस नेता ने भाजपा को दलित-विरोधी बताया था, जिस पर नारायणस्वामी ने सवाल उठाते हुए कहा, दलित-विरोधी कौन है? हम (भाजपा) वे हैं, जिन्होंने आरक्षण बढ़ाया, न कि आपने.....आप (कांग्रेस) दलित-विरोधी और आरक्षण-विरोधी हैं।

दर्शन और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत 17 तक बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक अदालत ने रेणुकास्वामी हत्याकांड में आरोपी कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा, उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 17 सितंबर तक बढ़ा दी। दर्शन और पवित्रा सहित सभी 17 आरोपियों को आज (शुक्रवार) उनकी न्यायिक हिरासत समाप्त होने पर राज्य भर की विभिन्न जेलों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 24वें

अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। सभी आरोपी अलग-अलग जेलों में बंद हैं।

पुलिस ने चार सितंबर को अदालत में 3,991 पन्नों का प्रारंभिक आरोपपत्र दायर किया था। दर्शन (47) वर्तमान में बल्लारी जेल में बंद हैं। अदालत से अनुमति मिलने के बाद उन्हें यहां परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार से बल्लारी स्थानांतरित किया गया था। दरअसल कारागार के बगीचे में एक कुख्यात अपराधी ड्ससहित तीन अन्य लोगों के साथ घूमते हुए उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित होने के बाद हंगामा मच गया था। तस्वीर में अभिनेता आराम फरमाते हुए दिखाई दे रहे हैं। दर्शन एक कुर्सी पर बैठे हैं और उनके एक हाथ में सिगरेट और एक हाथ में कॉफी का मग है।

इसके अलावा, जेल से वीडियो कॉल पर एक व्यक्ति से बात करते हुए दर्शन का एक कथित वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया था। अदालत ने हत्या के मामले में अन्य सह-आरोपियों को राज्य की विभिन्न जेलों में स्थानांतरित करने की भी अनुमति दी थी। दर्शन को दी गयी विशेष छूट की प्रारंभिक जांच के बाद परप्पना अग्रहारा जेल के मुख्य अधीक्षक सहित नौ जेल अधिकारियों को चूक' के कारण निलंबित कर दिया गया था। साथ ही, दर्शन के खिलाफ जेल अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत तीन प्राथमिकियां दर्ज की गईं।

भाजपा विधायक मुनिरत्न उत्पीड़न, रिश्वत और जाति सूचक टिप्पणी के आरोप में हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य मुनिरत्न को उत्पीड़न, धमकी और जाति आधारित दुर्व्यवहार करने के आरोप में दर्ज दो प्राथमिकियों के सिलसिले में शनिवार को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राजराजेश्वरीनगर से विधायक मुनिरत्न के खिलाफ शुक्रवार को व्यालिकावल पुलिस थाने में दो मामले दर्ज किए गए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने उन्हें हिरासत में ले लिया है। उन्हें कोलार से हिरासत में लिया गया और उन्हें बेंगलूरु लाया जा रहा है, जिसके बाद उनके खिलाफ दर्ज मामलों के सिलसिले में उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया जाएगा। इस बीच, भाजपा की राज्य इकाई ने अनुशासन तोड़ने का हवाला देते हुए मुनिरत्न को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और उनसे पांच दिनों के भीतर अनुशासन समिति के समक्ष उनपर लगे आरोपों को लेकर स्पष्टीकरण देने को कहा है।

बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के ठेकेदार चेलुवराजू की शिकायत पर मनिरत्न के खिलाफ दर्ज पहली प्राथमिकी में विधायक पर 30 लाख रुपये की रिश्वत मांगने और राशि न मिलने पर अनुबंध समाप्त करने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। चेलुवराजू ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि शुरुआत में मुनिरत्न ने उनसे 2021 में ठोस अपशिष्ट निपटान अनुबंध के लिए 20 लाख रुपये की मांग की, लेकिन अपशिष्ट प्रबंधन अनुबंध के लिए 10 ऑटो ट्रिपर' प्राप्त करने के वास्ते भुगतान करने के बावजूद, नगर निकाय ने इन वाहनों को उपलब्ध कराने की स्वीकृति नहीं दी।

प्राथमिकी के मुताबिक, चेलुवराजू को विधायक ने बार-बार परेशान किया और कथित तौर पर गाली गलौज व मारपीट की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि विधायक ने उन्हें अपना काम करने की अनुमति नहीं दी और सितंबर 2023 में उन्हें थप्पड़ भी मारा। पुलिस के अनुसार, ठेकेदार को कथित तौर पर धमकाने, गाली देने और परेशान करने के मामले में विधायक के साथ-साथ सरकारी अधिकारियों सहित तीन अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। चेलुवराजू ने आरोपी विधायक के साथ फोन पर हुई बातचीत की कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सार्वजनिक की है। पुलिस ने बताया कि विधायक के खिलाफ दूसरी प्राथमिकी बीबीएमपी पार्षद की शिकायत पर दर्ज की गई। पार्षद ने आरोप लगाया है कि विधायक ने जाति सूचक अपशब्द कहे तथा उनके परिवार का अपमान किया। विधायक ने कथित तौर पर चेलुवराजू से कहा कि वह पार्षद की जाति के कारण उनसे न जुड़ें।

पुलिस के मुताबिक, मामले में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। बाद में, मुनिरत्न ने एक वीडियो संदेश जारी की कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप 'सत्य से कोसों दूर' हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले 15 साल में किसी ठेकेदार या आम आदमी की तरफ से ऐसा कोई आरोप नहीं लगा कि मुनिरत्न ने अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। लोकसभा चुनाव और नतीजों के बाद मेरे खिलाफ साजिश रची गई।''

विधायक ने कहा कि देवराज उर्स ट्रक टर्मिनल्स लिमिटेड में हर महीने 15 लाख रुपये की अनियमितता की शिकायत मिलने पर उन्होंने जांच की मांग करते हुए एक पत्र लिखा था और उसी दिन से उनके खिलाफ साजिशें शुरू हो गईं। मुनिरत्न ने कहा, ''किसी की भी आवाज निकाली जा सकती है... प्रौद्योगिकी उन्नत हो चुकी है। उनका इरादा मुझे जेल भेजने का है।'' उन्होंने कहा, मुझे पता था कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद मेरे बुरे दिन आने वाले हैं। यह उस व्यक्ति का संयुक्त अभियान है जो विधानसभा चुनाव में मुझसे हार गयी थीं (कांग्रेस की कुसमा एच) और डी. के. सुरेश (कांग्रेस) जो डॉ. मंजूनाथ (बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार) से हार गये थे। इसलिए ठेकेदार चेलुवराजू का इस्तेमाल किया गया है।''

मुनिरत्न ने आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता ने अब तक 20 लोगों के खिलाफ अत्याचार के मामले दर्ज कराए हैं। विधायक ने कहा कि उन्होंने वोक्कालिगा और दलित समुदाय या उससे संबंधित लोगों के खिलाफ कोई अपमानजनक टिप्पणी या बात नहीं की है। भाजपा पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में आरोप लगाया, कर्नाटक भाजपा के नेता जो रीति-रिवाजों और संस्कृति की बात करते हैं, पहले अपने विधायक मुनिरत्न का चेहरा साफ करें और शहर को बताएं। भाजपा का नारा कि हम सभी हिंदू हैं, केवल चुनावी मौसम तक ही सीमित है।

दक्षिण-पश्चिम रेलवे दिल्ली के लिए विशेष ट्रेनें चलाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यात्रियों की सुविधा के लिए और आगामी त्यौहारी सीजन के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण-पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों से एकतरफा विशेष ट्रेनें चलाएगा। ये विशेष ट्रेनें एसएसएस हुब्बल्ली से हजरत निजामुद्दीन, मैसूर से हजरत निजामुद्दीन और एसएमवीटी बेंगलूरु से हजरत निजामुद्दीन स्टेशनों तक चलेंगी।

ट्रेन संख्या 06215 मैसूर-हजरत निजामुद्दीन एकतरफा विशेष एक्सप्रेस : यह ट्रेन 16 सितंबर को शाम 7:30 बजे मैसूर से रवाना होगी और तीसरे दिन बुधवार रात 11:00 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। अपने एकतरफा मार्ग पर यह ट्रेन हासन, अरसीकेरे, बिरूर, दावणगेरे, हरिहर, रानीबेन्नूर, एसएमएम हावेरी, एसएसएस हुब्बल्ली, धारवाड़, बेलगावी, मिराज, सांगली, कराड, सतारा, पुणे, दौंड कॉर्ड लाइन, बेलापुर, कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, आगरा कैंट और मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में 17 कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 06585 एसएमवीबी बेंगलूरु-हजरत निजामुद्दीन वन-वे स्पेशल एक्सप्रेस : यह ट्रेन 17 सितंबर, 2024 को शाम 7:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी और तीसरे दिन गुरुवार रात 11:00 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। अपने एकतरफ़ा मार्ग पर, यह चिकबनवार, तुमकुरु, अरसीकेरे, बिरूर, दावणगेरे, हरिहर, रानीबेन्नूर, एसएमएम हावेरी, एसएसएस हुब्बल्ली, धारवाड़, बेलगावी, मिराज, सांगली, कराड, सतारा, पुणे, दौंड कॉर्ड लाइन, बेलापुर, कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, आगरा कैंट और मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी। यह ट्रेन 16 कोचों वाली होगी।

ट्रेन नंबर 07325 एसएसएस हुब्बल्ली - हजरत निजामुद्दीन वन-वे स्पेशल एक्सप्रेस : यह ट्रेन 20 सितंबर को रात 9:50 बजे एसएसएस हुब्बल्ली से रवाना होगी। और अगले दिन सुबह 11:40 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। अपने एकतरफा मार्ग पर यह धारवाड़, बेलगावी, घाटप्रभा, मिराज, पुणे, अहमदनगर, मनमाड, भुसावल, खंडवा, भोपाल और वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में 17 कोच होंगे।

यात्रियों को इस बात का ध्यान रखना होगा किउपरोक्त सभी ट्रेनों में एसी कोच में लिनन (वेडिंग) की आपूर्ति नहीं की जाएगी।

सनातन धर्म सर्व-समावेशी, भगवान राम भारत को जोड़ने वाली कड़ी : राज्यपाल रवि

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने शनिवार को यहां कहा कि सनातन धर्म, चाहे कोई इसमें विश्वास करे या नहीं, सर्व-समावेशी है और भगवान राम आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से भारत को जोड़ने वाली कड़ी हैं। सनातन धर्म की तीखी आलोचना को याद करते हुए उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि यह गलत धारणा बनाई जा रही है कि भगवान राम उत्तर भारतीय देवता हैं जबकि ऐसा नहीं है।

राज्यपाल ने कहा, ''भारत के सबसे पूजनीय राष्ट्रीय प्रतीक श्री राम तमिलनाडु के लोगों के दिलों में भी बसते हैं। इस पवित्र भूमि के हर इंच पर उनके पदचिह्न हैं। वे वह कड़ी हैं जो भारत को जोड़ती है और वसुधैव कुटुम्बकम के वैश्विक दृष्टिकोण सहित इसकी संस्कृति और दर्शन को आकार देते हैं।''

डी. के. हरि और डी. के. हेमा हरि द्वारा लिखी गई किताब ''श्रीराम इन तमिलगम : एन इनसेपरेबल बॉन्ड'' के विमोचन के अवसर पर राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि श्री राम के आदर्शों पर एक आत्मनिर्भर और पूर्ण विकसित भारत का निर्माण किया जाएगा।

रवि ने कहा, लोगों ने सनातन धर्म पर हमला करना शुरू कर दिया, इसे वायरस, डेंगू कहने लगे...सनातन धर्म सभी के समावेशन की बात करता है, भले ही आप इसमें विश्वास न करते हों। राज्यपाल ने कहा कि पूर्वोत्तर से लेकर कन्याकुमारी के दक्षिणी छोर तक राम हर जगह मौजूद हैं और उनके नाम का जाप उन लोगों द्वारा किया जाता है जिनके दिलों में वे सदा निवास करते हैं।

प्रदर्शन

बेंगलूरु में शनिवार को महिलाओं पर अत्याचार के खिलाफ फ्रीडम पार्क में छात्रों के साथ कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

शिशु और मां की मौत के बाद निजी अस्पताल के बाहर परिजनों ने किया विरोध प्रदर्शन

कोझिकोड। कोझिकोड के एक निजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रसव के दौरान हुई जटिलताओं के कारण महिला और नवजात की मौत से गुस्साए परिवार के सदस्यों ने शनिवार को संस्थान के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। पुलिस के अनुसार, निजी अस्पताल में बृहस्पतिवार को नवजात की मौत हो गई थी जबकि विभिन्न जटिलताओं के कारण मां ने भी शुक्रवार को एक अन्य निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। महिला के पति की शिकायत पर पुलिस ने दोनों मौतों के संबंध में अप्राकृतिक मौत का मुकदमा दर्ज किया है।

परिजनों और स्थानीय लोगों ने शनिवार को एंबुलेंस में महिला का शव लेकर निजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया और कानून के कड़े प्रावधानों के तहत संबंधित चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। दर्शन के बाद किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अस्पताल के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई।

अथोली थाने के एक अधिकारी ने बाद में बताया कि परिवार के सदस्यों समेत कुछ प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल प्रशासन से बात की और अपनी मांगें उनके सामने रखीं, जिसके बाद प्रदर्शन खत्म कर दिया गया।

महिला के पति ने टीवी चैनलों के संवाददाताओं के सामने दावा किया कि अस्पताल के कर्मचारी उन्हें लगातार भरोसा दिलाते रहे कि प्रसव सामान्य होगा जबकि उनकी पत्नी दर्द से चिल्लाती रही और उसे दूसरे अस्पताल ले जाने का आग्रह करती रही।

पति ने कहा, बृहस्पतिवार सुबह, उन्होंने (चिकित्सकों ने) हमें बताया कि ऑपरेशन की आवश्यकता है और फिर बाद में हमें बताया कि गर्भाशय सिकुड़ जाने से शिशु की मौत हो गई।

उन्होंने गर्भाशय निकालने की अनुमति मांगी। हमने इस बात पर भी सहमति जताई। उन्होंने कहा, लेकिन मेरी पत्नी की तबीयत बिगड़ गई और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। फिर उसे दूसरे निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

महिला को सात सितंबर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और परिवार को 12 सितंबर को बच्चे की मौत की सूचना दी गई। परिवार ने निजी अस्पताल पर चिकित्सा लापरवाही और कदाचार का आरोप लगाया।

सफल विदेश यात्रा से लौटने पर भजनलाल का हुआ भव्य स्वागत

विभिन्न निवेशकों ने राजस्थान में निवेश करने में दिखाई रूचि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपनी दक्षिण कोरिया और जापान की सफल विदेश यात्रा के बाद शनिवार को उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के साथ जयपुर लौटे। शर्मा के यहां पहुंचने पर जयपुर एयरपोर्ट परिसर में राज्य मंत्रीपरिषद के सदस्यों एवं विधायकों सहित उच्चाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। मंत्रिगण और विधायकों ने मुख्यमंत्री का साफा एवं माला पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर सफल विदेश यात्रा के लिए उन्हें बधाई दी।

एयरपोर्ट के बाहर भी विभिन्न स्थानों पर आमजन ने मुख्यमंत्री का ढोल-नगाड़ों के साथ उत्साहपूर्वक स्वागत किया। बुजर्गों, महिलाओं एवं युवाओं ने विकसित राजस्थान के लिए लगातार किए जा रहे फैसलों एवं प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। इस दौरान लोक कलाकारों ने कच्छी घोड़ी नृत्य किया।उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत राज्य में निवेश के लिए इन्वेस्टर मीट और रोड-शो जैसी कई महत्वपूर्ण पहल की है। इस समिट का पहला इन्वेस्टर मीट मुंबई में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ जिसमें साढ़े चार लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने दक्षिण कोरिया और जापान में इन्वेस्टर मीट में हिस्सा लिया जहां कई महत्वपूर्ण कंपनियों और निवेशकों ने राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करने में रूचि दिखाई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान वासियों का उत्साह और उमंग पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की 8 करोड़ जनता ने जिस विश्वास के साथ हमारी सरकार बनाई, उस भरोसे पर खरा उतरते हुए राज्य सरकार पूरे समर्पित भाव से विकसित राजस्थान के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी, मंत्री जोगाराम पटेल, बाबूलाल खराड़ी, सुरेश रावत, अविनाश गहलोत, हीरालाल नागर, झाबर सिंह खर्रा, जवाहर सिंह बेढ़म, के.के. विश्नोई एवं विजय सिंह, राज्यसभा सांसद मदन राठौड एवं राधामोहन दास अग्रवाल, लोकसभा सासंद सी.पी. जोशी, राव राजेन्द्र सिंह एवं श्रीमती मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, बालमुकुंदाचार्य, गोपाल शर्मा, जयदीप बिहाणी, महेन्द्रपाल मीना, रामबिलास, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कोटा में तार चुराने के आरोप में दलित लड़के को निर्वस्त्र करके नाचने को मजबूर किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में एक कार्यक्रम के दौरान तार चुराते हुए पकड़े जाने के बाद 12 वर्षीय दलित लड़के को कथित तौर पर निर्वस्त्र करके नाचने के लिए मजबूर किया गया और वीडियो भी बनाया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। ऑनलाइन मीडिया पर एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें लड़का चार-पांच व्यक्तियों के साथ एक गाने पर नाच रहा है। वीडियो में, लड़के को मुस्कुराते हुए नाचने के लिए मजबूर किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मामला वीडियो मिलने और पीड़ित का पता चलने के बाद सामने आया। पुलिस ने पीड़ित के परिवार को शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित किया।

पीड़ित के पिता की शिकायत के अनुसार, शुक्रवार रात को उनका बेटा जीएडी सर्किल में आयोजित एक मेले में 'कॉमेडी' कार्यक्रम में गया था और रात 1 से 4 बजे के बीच करीब चार-पांच लोगों ने उनके बेटे को घेर लिया और तार चोरी करने का आरोप लगाकर पीट दिया। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता ने यह आरोप भी लगाया कि आरोपियों ने उसके बेटे को निवस्त्र करके नाचने के लिए मजबूर किया और वीडियो बनाई। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने कहा कि इस मामले में आरोपी पिता-पुत्र समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान क्षितिज गुर्जर (24) उर्फ ङ्कङ्कबिट्टू, आशीष उपाध्याय उर्फ ङ्कङ्कविक्कू (52), उसका बेटा ययाति उपाध्याय (24) उर्फ ङ्कङ्कगुनगुन, गौरव सोनी (21), संदीप सिंह (30) उर्फ ङ्कङ्कराहुल बन्नाशा और सुमित कुमार सैन (25) के रूप में हुई है। डीएसपी मनीष शर्मा ने बताया कि शुरुआती जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि छह आरोपी एक 'म्यूजिक' कंपनी का हिस्सा थे और उन्हें शक था कि पीड़िता ने उनके म्यूजिक सिस्टम से तार चुराए हैं। शर्मा ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश किया गया।

युवा गर्व से हिन्दी का प्रयोग करें : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में तथा विशिष्ट अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत एवं विधायक सिविल लाइन्स गोपाल शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में शनिवार को जयपुर स्थित सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय के मुख्य सभागार में राजस्थान सरकार के भाषा एवं पुस्तकालय विभाग द्वारा राज्य स्तरीय हिन्दी दिवस समारोह आयोजित किया गया। उपमुख्यमंत्री ने हिंदी दिवस की शुभकामनायें देते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि हमें गर्व है कि हम हिन्दी भाषी हैं। हिंदी भाषा जनजन की भाषा है जो भारत को एकता के सूत्र में बांधती है। हमें राष्ट्र पर गर्व है, तो हमें राष्ट्र की भाषा हिन्दी पर भी गर्व होना चाहिए। अंग्रेजी न जानने पर आत्म विश्वास में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिन्दी सिर्फ एक भाषा या विषय नहीं बल्कि हमारी पहचान है, भावों की अभिव्यक्ति है, एक विस्तृत विचारधारा, सोच और हमारी संस्कृति है। जब भी हम देश के बाहर कहीं जाते हैं और वहां किसी भारतवासी से मिलना होता है और जब उनसे हिन्दी में बात करते हैं तो बड़ी ही आत्मीयता ओर अपनेपन का अनुभव होता है।

दीया कुमारी ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान की डबल इंजन की सरकार विकसित भारत और विकसित राजस्थान के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। विकसित भारत की यात्रा में हिन्दी सफलता का माध्यम सिद्ध होगी।

उपमुख्यमंत्री ने उन सभी महानायकों, महापुरूषों को नमन किया जिनके प्रयासों से हिन्दी को संरक्षण और बढ़ावा मिला, राजभाषा का दर्जा मिला, उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हिन्दी हमारी अपनी भाषा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हिन्दी को बढ़ावा देने में विश्वास रखती है। हमारी सरकार हिन्दी को पढ़ाई का माध्यम बनाने पर जोर दे रही है। पिछली सरकार अंग्रेजी स्कूल पर जोर देती थी किन्तु हमारी सरकार की ओर से दृढ़ता के साथ हिन्दी को बढ़ावा दिया जा रहा है।

दीया कुमारी ने युवाओं व छात्रछात्राओं का आह्वान किया कि वे अपने दैनिक जीवन में हिन्दी का उपयोग करें और खासकर सोशल मीडिया पर भी हिन्दी को बढ़ावा दें। उन्होंने डॉ. के. के. पाठक के हिन्दी भाषा ज्ञान की तथा राजस्थान सरकार के बजट निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। इस सुअवसर पर उन्होंने हिन्दी सेवा पुरस्कार प्राप्त करने वाले लेखकों, बोर्ड परीक्षाओं में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी बधाई दी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने अपने सम्बोधन में कहा कि हिन्दी भाषा को किसी एक क्षेत्र की भाषा कहना सही नहीं हैं यह पूरे देश की भाषा है। हिंदी भाषा का उपयोग दैनिक जीवन में होना चाहिए। निज भाषा का ज्ञान ही उन्नति का आधार है। उन्होंने कहा कि लोग पाश्चात्य संस्कृति की ओर लालायित रहते हैं। किन्तु अब हमें हिन्दी भाषा की ओर अग्रसर होना होगा। हिन्दी केवल एक भाषा नहीं अपितु हमारी संस्कृति की धरोहर है। हिन्दी हमारे राष्ट्र का गौरव है। हमें हिंदी को व्यापक बनाना होगा। हिंदी भाषा के उपयोग के लिए बच्चों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें बच्चों को बताना चाहिए कि उन्हें हिन्दी का गर्व के साथ उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में हिंदी का उपयोग किया जाना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि विधायक सिविल लाइन्स गोपाल शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतेन्दु हरिश्चंद्र जी ने कहा था कि 'निज भाषा उन्नति है, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटन न हिय के सूल'। ह

मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल का आङ्ककस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल है, यहां रोगियों को बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए हरसम्भव प्रयास सुनिश्चित किए जाएं। राज्य सरकार के स्तर से जिन समस्याओं का निराकरण होना है, उन्हें तत्काल संज्ञान में लाएं, लेकिन मरीजों को किसी तरह की तकलीफ नहीं हो। श्रीमती राठौड़ प्रात: करीब 11.45 बजे अचानक सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंची। उन्होंने वहां सबसे पहले सामान्य वार्ड का निरीक्षण कर मरीजों से उपचार एवं अन्य सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। साथ ही, ड्यूटी पर उपस्थिङ्कत चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से रोगियों की संख्या, दवा उपलब्धता, उपचार प्रक्रिया सहित अन्य जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि रोगियों को उपचार उपलब्ध करवाने में किसी तरह का विलम्ब नहीं हो। साथ ही, अस्पताल में पेशेंट फ्रेण्डली माहौल रहे।

प्रमुख शासन सचिव ने इसके बाद ओपीडी का निरीक्षण किया। उन्होंने ङ्कयहां निरीक्षण के दौरान भीड़ को प्रबंधित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीकी नवाचारों का उपयोग करते हुए रोगियों को कतारों में खड़े रहने से मुक्ति दिलाएं। इसके लिए इंटीग्रेटेड हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम 2.0 के माड्यूल्स जल्द से जल्द लागू करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि ओपीडी में रोगियों के बैठने एवं पीने के पानी सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर की जाएं। नि:शुल्क दवा वितरण केंद्रों पर आवश्यक दवा सूची से संबंधित सभी दवाएं उपलब्ध हों। मरीजों को इधरउधर भटकना नहीं पड़े।

श्रीमती राठौड़ ने आपातकालीन इकाई का दौरा कर वहां व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल की आवश्यकता के अनुसार आपातकालीन इकाई का विस्तार किया जाए। उन्होंने इसके लिए आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी कर काम शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था की भी जानकारी ली और इसे सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में स्थापित अभय कमाण्ड सेंटर का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर में संवेदशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे आवश्यक रूप से लगाए जाएं। साथ ही, सुरक्षा गार्डों की संख्या बढ़ाई जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने अस्पताल परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए इन कार्यों को निर्धारित समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही, कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने पर बल दिया। श्रीमती राठौड़ ने निर्माणाधीन नवीन कार्डियोलॉजी विंग का कार्य जल्द पूरा कर ङ्कइसे दिसम्बर माह तक क्रियाशील करने के निर्देश दिए।

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री कुमावत ने भुवनेश्वर में आयोजित मानसून मीट में पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों के हित में रखी मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत और राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित मानसून मीट में भाग लेने उड़ीसा दौरे पर हैं। शुक्रवार को मानसून मीट के अंतिम दिन पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गांवों में पशुपालन का दायरा बढ़ाकर, पशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर, मत्स्य पालन ओर मधुमक्खी पालन के जरिए छोटे सीमांत किसानों के जीवन स्तर में सुधार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी किसानों और पशुपालकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। राजस्थान के पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों के हित में बोलते हुए पशुपालन मंत्री ने प्रदेश के लिए अनेक मांगे रखीं। उन्होंने कहा कि राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से देश का सबसे बड़ा प्रदेश है जहां जैसलमेर, बाड़मेर सहित दस जिले तो मरूस्थलीय क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में जितनी संख्या मनुष्यों की है लगभग उतने ही पशुधन हमारे प्रदेश में हैं। ऐसे में हमारे सामने बहुत बड़ी चुनौती रहती है। राजस्थान का मुख्य व्यवसाय भी कृषि और पशुपालन है। यह प्रदेशवासियों के जीविकोपार्जन का एक मुख्य आधार तो है ही साथ ही उनके लिए रोजगार का सुदृढ़ और सुलभ साधन भी है। ऐसे में पशुधन और पशुपालकों के विकास के लिए नई नई योजनाओं का निर्माण और क्रियान्वयन निश्चित रूप से बहुत कारगर होगा। उन्होंने राजस्थान के पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों के हित में केंद्र सरकार के समक्ष अपनी मांगे भी रखीं। भुवनेश्वर की मारवाड़ सोसायटी की ओर मारवाड़ भवन में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें समाज के लोगों ने राजस्थान के पशुपालन और गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत और राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम का सम्मान किया। इस मानसून मीट में केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री एस पी सिंह बघेल तथा जार्ज कुरियन, उड़ीसा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी सहित कई राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री ने भाग लिया।

सड़क हादसे में शिशु सहित तीन की मौत

जयपुर। बीकानेर जिले में शुक्रवार देर रात सड़क हादसे में दो युवकों व एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि नौरंगदेसर के पास यह हादसा एक कार और जीप की आमने-सामने की टक्कर के कारण हुआ। इसके अनुसार कार सवार लोग एक शोकसभा से लौट रहे थे। हादसे में मनोज सोनी, कल्याण सोनी और आठ महीने के बच्चे की मौत हो गई। घटना में दो महिलाएं घायल हो गईं हैं। ये लोग बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ से थे।

बिजली का तार गिरने से करंट फैला, मां-बेटी की मौत

रजयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में करंट लगने से एक महिला और उसकी नाबालिग बेटी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसे में परिवार का मुखिया झुलस गया, जिसका जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि हादसा जैसलमेर के भैरवा गांव में हुई। एक दंपति और उनकी बेटी अपने खेत में रात में खुले में चारपाई पर सो रहे थे तभी ऊपर से गुजर रहा बिजली का तार टूटकर उनके ऊपर गिर गया। उसने बताया कि इससे तीनों करंट की चपेट में आ गए। हादसे में शोभा (27) और गुड़िया (5) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि मुकेश (30) झुलस गया। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

राजस्थान में लोगों को भारी बारिश से राहत

जयपुर। राजस्थान में कई दिनों से जारी भारी बारिश से लोगों को शनिवार को राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिन राज्य के अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार सुबह तक के 24 घंटों में राजस्थान में कहीं कहीं पर वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक बारिश सैपऊ (धौलपुर) में 32 मिलीमीटर दर्ज की गई। इसके अलावा सांचौर (जालौर) में 17.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, कई और जगह हल्की बारिश हुई। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार 14-17 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान में केवल कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने तथा अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। वहीं पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के अधिकांश भागों में आगामी 4-5 दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहने तथा कुछेक स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है।

कांग्रेस विधायक जुबेर खान का निधन

जयपुर। राजस्थान के अलवर की रामगढ़ सीट से कांग्रेस विधायक जुबेर खान का शनिवार सुबह निधन हो गया। खान की पत्नी साफिया जुबेर ने बताया कि उनके शौहर कुछ समय से बीमार थे। खान ने आज सुबह 5.50 बजे अंतिम सांस ली। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित तमाम नेताओं ने जुबेर खान के निधन पर शोक व्यक्त किया। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में लिखा, जुबेर खान अपने क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थे एवं आखिरी समय तक जनसेवा में लगे रहे। उनका जाना एक अपूरणीय क्षति है। जुबेर चार बार के विधायक थे। वह सबसे पहले 1990 में विधायक चुने गए। इसके बाद दसवीं, बारहवीं व अब सोलहवीं विधानसभा के सदस्य थे। वह विधानसभा की प्राक्कलन सहित अनेक समितियों के सदस्य भी रह चुके हैं। अध्ययन के दौरान जुबेर जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय (नई दिल्ली) छात्रसंघ के अध्यक्ष भी थे।

ससुरालवालों को नशीली पदार्थ खिलाकर दुल्हन फरार

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले में एक नवविवाहित दुल्हन ने ससुरालवालों को कथित तौर पर खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया और घर से फरार हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार रात धरघाडी गांव में मंजूबाई (24) ने ससुरालवालों के लिए खाना पकाया और उसमें कुछ मिला दिया जिसे खाने के बाद जब परिवार के सभी लोग बेहोश हो गये तभी वह भाग गयी। पुलिस के अनुसार इन लोगों के रिश्तेदारों ने उन्हें घर के अंदर बेहोश पाया जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल ले गये जहां उनका इलाज जारी है। वे खतरे के बाहर बताये जा रहे हैं। इनमें छह साल का एक बच्चा भी शामिल है। दबलाना पुलिस थाने के सहायक उपनिरीक्षक महेंद्र यादव ने बताया कि दुर्गाशंकर गुर्जर (24) की शादी 23 अगस्त को 'नाता प्रथा' के तहत मंजूबाई से हुई थी। 'नाता प्रथा' के तहत राजस्थान के कुछ हिस्सों और मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और गुजरात के आसपास के क्षेत्रों में कुछ समुदायों में लड़कियों को कथित तौर पर स्टाम्प पेपर पर या अन्य तरीके से विवाह के नाम पर 'बेचा' जाता है। हालांकि इसकी कोई कानूनी मान्यता नहीं होती। यादव ने बताया कि ससुराल वालों के बेहोश हो जाने के बाद मंजूबाई वहां खड़ी मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर से भाग गई।

अब हिंदी माध्यम में भी मिलेगी आयुर्विज्ञान की शिक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर अब प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा शिक्षा ङ्कके विद्यार्थियों को हिंदी माध्यम में भी अध्ययन के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने बजट घोषणा को पूरा करते हुए हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी माध्यम में भी चिकित्सा शिक्षा प्रारम्भ किए जाने की सूचना जारी कर दी है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि पहले चरण में मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध डॉ. सम्पूर्णानंद मेडिकल कॉलेज, जोधपुर एवं बाड़मेर मेडिकल कॉलेज में इस सुविधा का शुभारम्भ कर दिया गया है। इन दोनों मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 202425 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को विकल्प के आधार पर अंग्रेजी एवं हिंदी दोनों माध्यमों में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल सकेगा।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान ने बताया कि ग्रामीण पृष्ठभूमि या हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम में संचालित आयुर्विज्ञान पाठ्यक्रमों में अध्ययन को लेकर कठिनाई होती थी। इसे दृष्टिगत रखते हुए हिंदी माध्यम में भी इन पाठ्यक्रमों के संचालन की घोषणा बजट में की गई थी। हिंदी दिवस के अवसर पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इस घोषणा को पूरा करते हुए दो मेडिकल कॉलेजों में हिंदी माध्यम से भी अध्ययन की सुविधा प्रारम्भ कर दी है। जल्द ही अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी यह सुविधा प्रारम्भ हो सकेगी।

राजस्थान सरकार में विभिन्न सत्ताकेंद्र उभर आए हैं : सचिन पायलट

जोधपुर। कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में भाजपा सरकार के भीतर अलग-अलग सत्ता केंद्र उभर आये हैं और किसी को नहीं पता कि कोई मंत्री मंत्रिमंडल में है या नहीं। कानून-व्यवस्था और अपराध परिदृश्य पर भजनलाल शर्मा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की मौजूदा स्थिति से लोग दुखी हैं। पायलट ने यहां संवाददाताओं से कहा, आमतौर पर सरकारों के भीतर इस तरह के तनाव तीन-चार साल बाद पैदा होते हैं, लेकिन यहां मैं देख रहा हूं कि शुरू से ही अलग-अलग सत्ता केंद्र उभर आए हैं। यह राज्य की जनता के लिए नुकसानदेह है। एक राज्य-एक चुनाव के विषय पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार कौन चला रहा है। कभी एक नेता कुछ कहता है तो कभी कोई दूसरा नेता कुछ और कहता है।

धरनास्थल पहुंचीं ममता का चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह, प्रदर्शनकारी बोले-समझौता नहीं करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार जारी गतिरोध के बीच शनिवार को अचानक कनिष्ठ चिकित्सकों के धरनास्थल पर पहुंचीं और उन्हें मांगों पर गौर करने तथा दोषी मिलने पर किसी को नहीं बख्शे जाने का आश्वासन दिया।

साल्ट लेक में स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि चिकित्सक बारिश के बीच सड़क पर धरना दे रहे हैं। यह बात उन्हें परेशान कर रही है और इसकी वजह से वह सो नहीं पा रही हैं। उन्होंने अपने दौरे को संकट को हल करने का अंतिम प्रयास बताया।

बनर्जी ने कहा कि वह उनके खिलाफ कोई कदम नहीं उठाएंगी क्योंकि वह लोकतांत्रिक आंदोलन को दबाने में विश्वास नहीं रखतीं व बंगाल उत्तर प्रदेश नहीं है।

हालांकि, मुख्यमंत्री के जाने के बाद आंदोलनकारी चिकित्सकों ने कहा कि वे बातचीत होने तक अपनी मांगों को लेकर समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि गतिरोध जल्द खत्म होने वाला नहीं है।

बनर्जी पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार के साथ अचानक अपराह्न करीब एक बजे सेक्टर 5 स्थित धरनास्थल पर पहुंचीं।

बनर्जी ने कहा, ''मैं आपसे मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि आपकी 'दीदी' के तौर पर मिलने आई हूं।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं आपको आश्वासन देती हूं कि आपकी मांगों पर गौर करूंगी और अगर कोई दोषी पाया गया तो कार्रवाई करूंगी।'' उन्होंने धरने पर बैठे चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह करते हुए कहा कि वह उनके साथ अन्याय नहीं होने देंगी।

बनर्जी ने कहा, यह संकट खत्म करने के लिए उनका आखिरी प्रयास है।

बनर्जी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने चिकित्सकों के काम पर लौटने के लिए 10 सितंबर की समयसीमा तय की थी और वह नहीं चाहतीं कि प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को परेशानी उठानी पड़े।

'चिकित्सा बिरादरी में संदेह के बीज बोने के लिए' विरोध स्थल गईं ममता : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। आरजी कर अस्पताल मामले में विरोध कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों के प्रदर्शनस्थल पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अचानक दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि उन्होंने चिकित्सा बिरादरी के बीच ''संदेह के बीज'' बोने और ''फोटो खिंचाने के लिए'' यह दौरा किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने 'एक्स' पर कहा, ''ममता बनर्जी ने स्वास्थ्य भवन जाते समय रास्ते में कनिष्ठ चिकित्सकों के विरोध प्रदर्शन स्थल का दौरा किया, पांच मिनट का भाषण दिया, लेकिन इस दौरान न्याय के लिए नारे लगे।'' उन्होंने दावा किया कि ममता ने प्रदर्शनकारी चिकित्सकों से बातचीत नहीं की और न ही उनकी बात सुनी। मालवीय ने कहा, ''यह चिकित्सा बिरादरी के बीच संदेह के बीज बोने के लिए मीडिया में फोटो खिंचवाने का एक अवसर मात्र था।'' भाजपा नेता ने बनर्जी पर ''शातिर और कपटी'' होने का आरोप लगाया और कहा कि इसके लिए उनकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''उनका आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की बलात्कार और हत्या पीड़िता को न्याय दिलाने और गतिरोध को हल करने का स्पष्ट रूप से कोई इरादा नहीं है। उनका अहंकार पश्चिम बंगाल के जन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को नुकसान पहुंचा रहा है।'' अस्पताल में एक महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित बलात्कार और उसकी हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर जूनियर डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं।

लगातार बारिश के कारण ताजमहल के मुख्य गुंबद से पानी का रिसाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा (उप्र)/भाषा। आगरा में पिछले तीन दिन से लगातार जारी बारिश के कारण ताजमहल के मुख्य गुंबद से पानी का रिसाव हो रहा है, वहीं परिसर स्थित एक उद्यान में पानी भर गया है।

ताजमहल परिसर में जलमग्न उद्यान का कथित वीडियो बृहस्पतिवार को वायरल हुआ था।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), आगरा मंडल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मुख्य गुंबद में सीलन के कारण रिसाव हो रहा है लेकिन इससे इसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

आगरा मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद् राजकुमार पटेल ने ताजमहल के मुख्य गुंबद से रिसाव को लेकर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हां, हमने ताजमहल के मुख्य गुंबद से रिसाव देखा है। उसके बाद जब हमने निरीक्षण किया तो पता चला कि यह सीलन के कारण हुआ और मुख्य गुंबद को कोई नुकसान नहीं हुआ है। हमने ड्रोन कैमरे के जरिए मुख्य गुंबद का निरीक्षण किया।''

बृहस्पतिवार शाम को 20 सेकंड का एक कथित वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ था जिसमें ताजमहल का एक बगीचा बारिश के पानी में डूबा हुआ दिखाई दे रहा है।

सरकार से मान्यता प्राप्त 'टूर गाइड' के तौर पर कार्यरत स्थानीय निवासी मोनिका शर्मा ने कहा कि ताजमहल आगरा और पूरे देश का गौरव है। उन्होंने कहा कि इससे सैकड़ों स्थानीय लोगों और पर्यटन उद्योग में काम करने वाले लोगों को रोजगार मिलता है।

गाजियाबाद में जूस में पेशाब मिलाकर बेचने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

गाजियाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में लोनी बॉर्डर की पुलिस ने एक जूस विक्रेता को जूस में पेशाब मिलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी जूस विक्रेता आमिर ने बताया कि पेशाब करने के लिए आस-पास कोई जगह नहीं है, इसलिए उसने इसे प्लास्टिक की बोतल में इकट्ठा किया था। पुलिस के मुताबिक बजरंग दल के कार्यकर्ता मनीष सूर्यवंशी और उसके साथियों की शिकायत पर जूस विक्रेता आमिर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि उसके नाबालिग साथी को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस के मुताबिक बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार शाम को आमिर को रंगे हाथों उस समय पकड़ लिया जब वह जूस में कथित तौर पर पेशाब मिला रहा था। पूछताछ के दौरान आरोपी जूस विक्रेता ने पुलिस को बताया कि पेशाब करने के लिए आस-पास कोई जगह नहीं है, इसलिए उसने इसे प्लास्टिक की बोतल में इकट्ठा किया था।

'मठाधीश माफिया' टिप्पणी को लेकर

विहिप ने अखिलेश यादव पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की टिप्पणी कि 'मठाधीशों और माफियाओं में ज्यादा अंतर नहीं' को लेकर शनिवार को उनपर निशाना साधा। विहिप ने साथ ही यादव से इस मुद्दे पर माफी मांगने की मांग की।

अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, ''मठाधीश और माफिया में ज्यादा अंतर नहीं है।'' सपा प्रमुख की यह टिप्पणी उस समय आई जब उनसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस आरोप पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी कि वह अपराधियों की जाति बता रहे हैं।

विहिप के संयुक्त महासचिव सुरेन्द्र जैन ने यादव की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे ''अत्यंत निंदनीय और आपत्तिजनक'' करार दिया। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख को अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए।

जैन ने कहा, ''यह पहली बार नहीं है। अखिलेश यादव अक्सर अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए हिंदू मान्यताओं और संतों का अपमान करते रहे हैं। उन्हें लगता है कि जितना ज़्यादा वह हिंदू समुदाय का अपमान करेंगे, उनका वोट बैंक उतना ही खुश होगा।'' उन्होंने यादव की टिप्पणी पर विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की चुप्पी को भी लेकर सवाल उठाया।

विहिप पदाधिकारी ने कहा, ''ऐसा लगता है कि एक सोची समझी साजिश के तहत सनातन हिंदू समाज को अपमानित किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''अखिलेश यादव व उनके गठबंधन के नेताओं को अपने हिंदू विरोधी बयान के लिए पूज्य संतों सहित समस्त हिंदू समाज से माफी मांगनी चाहिए, अन्यथा हिंदू समाज इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगा।

मेरठ में धर्म स्थल पर विवाद होने के बाद जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में रोहटा रोड पर आदर्श कॉलोनी के बाहर स्थित कथित मजार पर हनुमान मंदिर की स्थापना को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद जिलाधिकारी दीपक मीणा ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मौजूदा स्थिति के मद्देनजर घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात किया गया है। मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ विपिन टांडा ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में इस बात से इंकार किया कि जिस सार्वजनिक जगह पर हनुमान जी की मूर्ति स्थापित की गई है, वहां कोई मजार है। उन्होंने बताया कि वहां मजार नहीं, बल्कि खाली कमरा था। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी मेरठ द्वारा पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) और उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को इस मामले की जांच सौंपी गई है कि वहां पर क्या था। जांच कमेटी से सात दिन में रिपोर्ट मांगी गई है।

एसएसपी ने कहा कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल वहां एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात कर यथास्थिति बरकरार कर दी गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार शहर के कंकरखेड़ा में रोहटा रोड पर आदर्श कॉलोनी के बाहर एक छोटा कमरा है, जिसको कुछ लोग मजार होने का दावा कर रहे हैं। उन लोगों ने आरोप लगाया है कि इस मजार पर कुछ लोगों ने भगवान हनुमान की मूर्ति रख दी। इसके बाद विधिवत पूजा-पाठ किया गया और हनुमान जी की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा शुरू की गई।

किसानों को उचित दाम दिलाने के लिए मोदी सरकार निर्यात बढ़ा रही है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए सरकार ने प्याज और बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) को हटाने समेत तीन महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी नीत सरकार किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम दिलाने के लिए निर्यात बढ़ा रही है, जिससे किसान अपनी फसल का अधिक से अधिक दाम प्राप्त कर पायें।

शाह ने यह भी कहा कि किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए सरकार ने प्याज और बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) को हटाने समेत तीन महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।

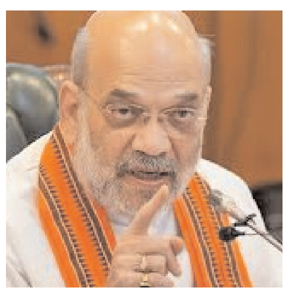

उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''मोदी सरकार ने प्याज पर न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) हटाने और निर्यात शुल्क को 40 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इससे प्याज का निर्यात बढ़ेगा, जिससे प्याज उत्पादक किसानों की आय में वृद्धि होगी।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने बासमती चावल पर भी एमईपी समाप्त करने का निर्णय लिया है, जिससे बासमती चावल के उत्पादक किसान इनका निर्यात करके अधिक मुनाफा प्राप्त कर पाएंगे।

शाह ने कहा, ''साथ ही, मोदी सरकार ने कच्चे पाम, सोया और सूरजमुखी तेलों के आयात पर शुल्क को 12.5 प्रतिशत से 32.5 प्रतिशत बढ़ाने और इनके रिफाइंड तेलों पर शुल्क को 13.75 प्रतिशत से 35.75 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इससे भारत के सोयाबीन के किसानों को उनकी फसल का बेहतर दाम मिलेगा और उनकी आय बढ़ेगी।''

भाजपा-आरएसएस द्वारा नियंत्रित नौकरशाही की जागीर बन गया है जम्मू-कश्मीर : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा नियंत्रित नौकरशाही की जागीर बन गया है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा कब बहाल होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए डोडा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अंतिम सांस ले रहा है और उनकी सरकार ने इस सुंदर क्षेत्र को नष्ट करने वाली वंशवादी राजनीति का मुकाबला करने के लिए एक नया नेतृत्व पेश किया है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री आज जम्मू-कश्मीर में हैं। 2018 में पीडीपी-भाजपा सरकार के गिरने के बाद से जम्मू-कश्मीर का प्रशासन उनकी ही केंद्र सरकार के पास है। ऐसे में नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को इसका जवाब देना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा कब वापस मिलेगा?'' उन्होंने आरोप लगाया, ''2018 के बाद से जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए अपना विरोध दर्ज कराने और समस्याएं व्यक्त करने के लिए हर तरह का रास्ता बंद कर दिया गया है। यह क्षेत्र भाजपा-आरएसएस द्वारा नियंत्रित नौकरशाही की जागीर बन गया है।'' उन्होंने सवाल किया कि शुक्रवार को किश्तवाड़ में आतंकवादी हमलों में भारतीय सेना के दो जवानों की शहादत की नैतिक जिम्मेदारी कौन लेगा?

रमेश ने कहा, ''नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री दावा करते हैं कि अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को कुचल दिया गया है, लेकिन, जम्मू-कश्मीर में ज़मीनी स्थिति चिंताजनक है। एक जनवरी 2023 से, हमारे 35 बहादुर सुरक्षा कर्मियों और आठ निर्दोष नागरिकों ने सिर्फ़ उस पीर पंजाल रेंज (जिसमें राजौरी-पुंछ क्षेत्र शामिल है) में अपनी जान गंवाई है, जहां 2007 और 2014 के बीच आतंकवाद की कोई बड़ी घटना नहीं हुई थी।'' उन्होंने सवाल किया, ''केंद्र सरकार के प्रशासन में ड्रग्स की तस्करी में तेज़ी से वृद्धि क्यों हुई है? सरकार कश्मीरी पंडितों का समर्थन करने में क्यों विफल रही है? क्या एक तिहाई प्रधानमंत्री समुदाय को केवल भाषणबाजी के मुद्दे के रूप में देखते हैं? उन्होंने पिछले एक दशक में उनके हितों की उपेक्षा क्यों की है?''

ज्ञानवापी को 'मस्जिद' कहना 'दुर्भाग्यपूर्ण' : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि ज्ञानवापी को 'मस्जिद' कहना 'दुर्भाग्यपूर्ण' है और ज्ञानवापी स्वयं भगवान विश्वनाथ का एक सच्चा स्वरूप है।

योगी ने शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का योगदान' नामक विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की, जहां उन्होंने काशी और ज्ञानवापी के पूजनीय स्थल के आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, '' यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग ज्ञानवापी को मस्जिद कहते हैं, जबकि यह स्वयं भगवान विश्वनाथ का स्वरूप है।''

मुख्यमंत्री ने पौराणिक ऋषि आदि शंकर का भी विस्तृत उल्लेख किया और काशी में भगवान विश्वनाथ के साथ शंकर की मुलाकात के बारे में एक किस्सा सुनाया। यह किस्सा सुनाते हुए ही मुख्यमंत्री ने ज्ञानवापी को स्वयं भगवान का प्रत्यक्ष स्वरूप बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''दुर्भाग्य से ज्ञानवापी को आज लोग दूसरे शब्दों में मस्जिद कहते हैं, लेकिन ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ ही है...।''

ज्ञानवापी मुद्दा लंबे समय से चली आ रही कानूनी लड़ाई का केंद्र रहा है, जिसमें हिंदू पक्ष का तर्क है कि ज्ञानवापी मस्जिद कथित तौर पर पहले से मौजूद मंदिर के अवशेषों पर बनाई गई थी, जबकि मुस्लिम पक्ष ने इस दावे का विरोध किया है।

विपक्षी समाजवादी पार्टी(सपा) ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अयोध्या के कुछ संतों ने उनका समर्थन किया है।

मुख्यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अब्बास हैदर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''ऐसा लगता है कि वह (योगी आदित्यनाथ) अदालत का सम्मान नहीं करते हैं।

एनआईए ने प्रमुख माओवादी नेता के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया

पटना/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) को राज्य के मगध क्षेत्र में पुनर्जीवित करने से संबंधित एक बड़ी साजिश का हिस्सा होने के लिए एक प्रमुख नक्सली नेता के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है कि भाकपा (माओवादी) के पोलित ब्यूरो के सदस्य और उत्तरी क्षेत्र के ब्यूरो प्रमुख प्रमोद मिश्रा के करीबी सहयोगी विनोद मिश्रा उर्फ बिनोद कुमार मिश्रा का नाम शुक्रवार को यहां विशेष एनआईए अदालत के समक्ष दायर पूरक आरोप पत्र में शामिल है। एनआईए द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि जांच से पता चला है कि आरोपी विनोद मिश्रा ने मगध क्षेत्र (बिहार के गया और औरंगाबाद क्षेत्र) में प्रतिबंधित संगठन को पुनर्जीवित करने में मदद की थी।

भर्ती परीक्षा के दौरान इंटरनेट सेवा बंद करने पर कोई भी फैसला मुख्य सचिव लेंगे : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि 15 सितंबर को राज्य सरकार की भर्ती परीक्षा के दौरान इंटरनेट सेवा बंद करने पर कोई भी निर्णय मुख्य सचिव द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक मानक प्रोटोकॉल तैयार किया जा रहा है जिसके माध्यम से परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों के तहत आने वाले मोबाइल टावर से इंटरनेट सिग्नल को बंद किया जा सकेगा।

शर्मा ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, ''मुख्य सचिव को यह तय करना है कि इंटरनेट सेवाएं बंद करने की जरूरत है या नहीं। अगर जरूरत पड़ी तो वह उसी के अनुसार आदेश देंगे।'' वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या रविवार को असम में सरकारी ग्रेड-तृतीय पदों के लिए होने वाली भर्ती परीक्षा के दौरान इंटरनेट सेवाएं बंद रहेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भविष्य में परीक्षा केंद्रों में इंटरनेट सेवाओं को विनियमित करने के लिए एक प्रोटोकॉल पर काम कर रही है। शर्मा ने कहा, ''भविष्य में होने वाली परीक्षाओं के लिए मैंने अपने अधिकारियों से परीक्षा केंद्रों के तहत आने वाले मोबाइल टावर से इंटरनेट सेवाएं बंद करने के लिए एक प्रोटोकॉल तैयार करने को कहा है।

हरमनप्रीत के दो गोल, भारत ने एसीटी हॉकी में पाकिस्तान को 2-1 से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुलुनबुइर (चीन)/भाषा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए दो गोल की बदौलत गत चैंपियन भारत ने अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए शनिवार को यहां चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराकर हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

भारत की यह छह टीमों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत है।

पाकिस्तान ने अहमद नदीम (8वें मिनट) के गोल से बढ़त हासिल की लेकिन हरमनप्रीत सिंह (13वें और 19वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को जीत दिलाई। यह इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की पहली हार थी।

भारत और पाकिस्तान दोनों ने इससे पहले अंतिम चार के लिए क्वालीफाई कर लिया था। इस जीत की बदौलत भारत ने 2016 से पाकिस्तान पर अपना दबदबा कायम रखा है।

दोनों टीमों के बीच पिछली भिड़ंत हांग्झोउ एशियाई खेलों में हुई थी जिसमें भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था। इससे कुछ महीने पहले भारतीयों ने एसीटी के चेन्नई चरण में पाकिस्तान को 4-0 से हराया था।

जकार्ता में एशिया कप में भारत की युवा टीम ने पाकिस्तान को 1-1 से बराबरी पर रोका जबकि ढाका में 2021 एसीटी में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर कांस्य पदक जीता था।

इस बीच दिन के अन्य मैच में मलेशिया और कोरिया के बीच मैच 3-3 से ड्रॉ रहा जबकि मेजबान चीन ने जापान को 2-0 से शिकस्त दी।

पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और प्रबल दावेदार भारत का सामना सेमीफाइनल में कोरिया से होगा जबकि पाकिस्तान की भिड़ंत चीन से होगी।

सुविचार

पैसों से कभी बड़प्पन नहीं आता, बड़प्पन आता है तो बस अच्छे विचार मात्र से!

ट्वीट

राजस्थान में डबल इंजन की स्थाई सरकार है। और जब स्थाई सरकार होती है, तो निवेशकों को ये विश्वास होता है कि यहां मैं अपनी मेहनत की कमाई निवेश करूंगा तो ये सरकार अपने किये वादे निभाएगी और इसी विश्वास के साथ निवेशक यहां आए हैं।

-मदन राठौड़

रामगढ़ विधायक श्री जुबेर खान जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों के साथ हैं। प्रभु दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिवार को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

कितने बदल गए हैं हम

पुष्पेश कुमार 'पुष्प'
मोबाइल : 9135014901

कभी नवीन बाबू शहर के सबसे बड़े व्यवसायी के रुप में जाने जाते थे। व्यवसायी होने के बावजूद उन्होंने खूब दौलत और शौहरत कमाई। व्यवसाय में इस शहर में उनसे हाथ मिलाने वाला कोई नहीं था। अकूत संपत्ति के मालिक थे। भरा-पूरा परिवार था। दो बेटा और एक बेटी के पिता थे नवीन बाबू। जो व्यक्ति कभी अकेलापन महसूस नहीं किया, जिसने अपने बच्चों के भविष्य के लिए काफी संपत्ति अर्जित की। आज वही व्यक्ति अपनी बेटी के साथ जीवन के अंतिम पड़ाव में घुट-घुटकर जीने को विवश है। समय भी कितना रंग बदलता है, यह सोचकर नवीन बाबू उदास हो जाते हैं। कभी नवीन बाबू का घर उल्लास और उमंग से भरा रहता था। इतने बड़े व्यापारी होने के बावजूद उन्हें अहंकार छू भी नहीं पाया था। लोगों के बुरे वक्त में मदद को सदैव तैयार रहते थे। यही कारण था कि आज भी लोग उन्हें बहुत मान-सम्मान देते हैं।

शहर में उनका विशाल बंगला लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र था, लेकिन अब वह बंगला तीन भागों में विभाजित हो गया था। बचपन तो सभी बच्चों ने साथ बिताया। सब एक-दूसरे से हिलमिलकर रहते थे। उन्हें दुख था तो एक ही बात का। उनकी बेटी हेली काफी खूबसूरत थी, लेकिन वह बेजुबान थी। हेली को लेकर वे काफी चिंतित रहते थे कि उनकी बेजुबान बेटी का हाथ कौन थामेगा ? उसका जीवन साथी कौन होगा? आखिर कैसे उसकी गृहस्थी बस पाएगी? यही चिंता उन्हें सताये जा रही थी।

उनकी पत्नी रमा हमेशा कहा करती थी - भगवान ने हमें सब कुछ दिया, लेकिन हमारी फूल-सी बच्ची को जुबान नहीं दी। कौन थामेगा बेटी का हाथ। ईश्वर ने उसके साथ इतनी नाइंसाफी क्यों की ? उसकी सारी खूबसूरती उसके गूंगेपन के आगे गौण हो जाती है और उनकी आंखों से आंसुओं की बूंदें टपकने लगती।

रमा के आंसू पोछते हुए नवीन बाबू कहते- उदास क्यों होती हो, रमा? ईश्वर किसी के साथ गलत नहीं करता। जोड़ियां तो ईश्वर बनाता है। हेली का भी हाथ कोई न कोई थाम ही लेगा। ईश्वर पर भरोसा रखो। सब अच्छा ही होगा। हमारी हेली के जीवन में भी खुशियों के रंग भरने वाला कोई जरुर आयेगा। नवीन बाबू की बातें सुनकर रमा की हिम्मत जरुर बढ़ जाती। फिर दोनों भाई रमेश और मनोरंजन अपनी बहन की खुशियों में जो चार चांद लगाने को तैयार थे। वे दोनों भी तो मां की हिम्मत बढ़ाते हुए कहते थे- मां ! तुम बेकार में चिंता करती हो। हेली की जिंदगी में भी उसके सपनों का राजकुमार जरुर आयेगा। मैं उसे सारे जहां की खुशियां दूंगा। फिर हम दोनों भाई भी तो हैं। उसे कभी किसी चीज की कमी नहीं होने दूंगा। आखिर वह हमारी लाडली बहन जो है। अपने बच्चों की बातें सुनकर नवीन बाबू की पत्नी का सीना चौड़ा हो जाता। उनको विश्वास था कि ये दोनों भाई अपनी बहन की खुशियों में अपना सब कुछ न्यौछावर कर देंगे।

रमेश और मनोरंजन की पढ़ाई पर नवीन बाबू पानी की तरह पैसा बहा रहे थे, ताकि वे दोनों उनसे अधिक दौलत और शौहरत कमाये। उनकी मेहनत रंग लायी, दोनों को विदेश में नौकरी हो गयी। नवीन बाबू खुशी से फूले नहीं समा रहे थे, लेकिन हेली की ओर निगाह जाते ही उनकी खुशी छूमंतर हो जाती। वे हेली के लिए अच्छे वर की तलाश कर रहे थे। वे चाहते थे कि हेली की शादी के बाद ही रमेश और मनोरंजन की शादी हो। लेकिन जैसे ही दोनों के पर लगे। अपने मां-बाप की मर्जी के बगैर शादी कर ली। शादी के बाद उन दोनों के स्वभाव में काफी बदलाव आ गया। वे दोनों विदेश की नौकरी छोड़कर वापस अपने देश लौट आये। उन दोनों ने उनके अरमानों पर तुषारापात कर दिया। वे दोनों अपने पिता के व्यवसाय में लग गये। बहू के आने से जहां खुशियां आनी चाहिए, वहां रोज-रोज बंटवारे को लेकर कलह होने लगा। दोनों भाई का आपस में मन-मुटाव हो गया। नवीन बाबू और उनकी पत्नी बंटवारे के खिलाफ थी।

उन दोनों ने अपने बेटों को समझाते हुए कहा - क्या इसलिए तुम दोनों की पढ़ाई पर इतना खर्च किया था कि विदेश की नौकरी छोड़कर व्यवसाय करो। मैं तो यही चाहता था कि तुम दोनों मुझसे भी ज्यादा दौलत-शौहरत कमाओ, लेकिन अब तुम नौकरी छोड़ व्यवसाय करना चाहता हो, तो आपस में मिल-जुलकर करो। बंटवारे की बात क्यों करते हो ? अभी तुम्हारी बहन की शादी नहीं हुई है। पहले उसकी शादी हो जाने दो, उसके बाद बंटवारे की बात करना।

उनके समझाने के बावजूद दोनों भाइयों में मन मुटाव कम होने का नाम नहीं ले रहा था। दोनों भाइयों की पत्नियां बंटवारे की बात पर अड़ी थी, तो नवीन बाबू और उनकी पत्नी हेली की शादी की चिंता में घुले जा रहे थे। नवीन बाबू की पत्नी रमा घर में हो रहे कलह से भीतर ही भीतर घुट रही थी और इसी चिंता में बिस्तर पकड़ लीं। उनके शरीर को चिंता ने भीतर से खोखला कर दिया। नवीन बाबू ने रमा का काफी इलाज करवाया, लेकिन उनके स्वास्थ्य में सुधार होने के बजाय उनकी हालत बिगड़ती ही जा रही थी। जीवन और मौत से संघर्ष करती नवीन बाबू की पत्नी मौत से हार गयी। पत्नी के गुजर जाने से नवीन बाबू अपने आपको अकेला महसूस करने लगे, क्योंकि उनके सुख-दुख में साथ देने वाली उनकी संगिनी, जो इस संसार से विदा हो गयी। जीवन नीरस होने के बावजूद वे हेली की खातिर जीना चाहते थे। उन्होंने अपने जीवन में इस तूफान का डटकर मुकाबला किया। इन कठिन परिस्थितियों के बीच नवीन बाबू ने हेली के लिए एक लड़के की खोज कर लीं। वह दौलत की खातिर हेली से शादी करने को तैयार हो गया। हेली की शादी के समय पैसों को लेकर दोनों भाइयों ने विद्रोह कर दिया। वे नहीं चाहते थे कि हेली की शादी में बेहिसाब धन खर्च हो। उनकी इच्छा थी कि कम खर्चे में ही शादी हो जाए, लेकिन नवीन बाबू इन बातों को दरकिनार कर हेली की शादी काफी धूमधाम से की और संपत्ति में एक हिस्सा हेली के नाम कर दिया।

यह जानते ही दोनों इस बात का विरोध करने लगे। वे दोनों हेली को इस संपत्ति में फूटी कौड़ी भी नहीं देना चाहते थे, लेकिन उन दोनों की एक न चली। वे दोनों बंटवारे की जिद पर अड़ गये। अंत में विवश होकर नवीन बाबू को बंटवारा करना ही पड़ा। उस विशाल बंगले के आंगन में दीवार खड़ी हो गयी। सब आपस में बंट गये। नवीन बाबू अपनी बेटी के हिस्से के मकान में आकर रहने लगे।

नवीन बाबू बेटी को विदाकर चैन की सांस ही लेने वाले थे कि हेली के पति उसे प्यार के सुहाने सपने दिखाकर सारे गहने और रुपये लेकर फरार हो गया। हेली की जिंदगी फिर उदासियों और वीरानगियों में खो गयी। बेजुबान हेली अपने दुख-दर्द किसी को बता भी नहीं सकती थी। वह अपने सीने में दर्द को दबाये वापस अपने पिता के घर लौट आयी। अकेली आयी बेटी की आंखों में बेबसी के आंसू देखकर वे कांप गये। वे सारी बात समझ गये। वे हेली की जिंदगी के साथ खेलने वाले उस धोखेबाज और फरेब को इसकी सजा देना चाहते थे। वे उस धोखेबाज की खोज-खबर लेने गये, लेकिन वह नहीं मिला। कुछ दिनों बाद पता चला कि उसने किसी और लड़की के साथ शादी कर ली है। यह सुनकर वे क्रोध से कांप गये, लेकिन यह सोचकर कि एक जिंदगी बचाने के लिए दो जिंदगियां बर्बाद नहीं कर सकते। यही सोचकर उस धोखेबाज को छोड़ दिया। वे समझ गये कि उनकी बेटी की किस्मत में ईश्वर ने केवल दुख ही लिखा है, अन्यथा इतनी खूबसूरत हेली की जिंदगी में यह गूंगापन नासूर नहीं बनता।

नवीन बाबू अब अपनी बेटी हेली के साथ जीवन बिताने को विवश थे। बेटी का आंसुओं में डूबा रहना उनके हृदय की वेदना को बढ़ा देता। दोनों बेटे बगल में ही रहते थे, लेकिन हेली को जमीन-जायदाद में हिस्सा देने के कारण नाराज थे। वे दोनों न उनसे मिलने आते और न उनके बच्चे। नवीन बाबू का बड़ा मन करता था अपने पोतों के साथ खेलने का, लेकिन वे खेल नहीं सकते थे, क्योंकि बंटवारे की दीवार जो खड़ी थी।

वे उदास-हताश अपने बरामदे पर बैठे यह सोचने पर विवश हो गये कि जिसे उन्होंने पाल-पोसकर आदमी बनाया, वही आज उनसे नफरत करता है। वह भी इसलिए कि उन्होंने बेजुबान बेटी को हिस्सेदार बना दिया। अब वे अकेले जीने के आदी हो गये थे। हेली भी अपनी किस्मत का लिखा समझकर अपने अतीत को भुला पिता की सेवा में लग गयी। नवीन बाबू सत्तर साल के होने के बावजूद बाजार से सामान ले आया करते थे। खाना बनाने के लिए एक काम वाली को रख लिया था। हेली तो कुछ बोल नहीं सकती थी। इसलिए बाहर का काम उन्हें स्वयं करना पड़ता था।

उन दोनों के बच्चे भी बड़े हो गये, लेकिन वे कभी अपने दादा जी का हाल-चाल तक जानने नहीं आते थे, क्योंकि उनके मन में दादा जी के प्रति जो जहर घोल दिया था उनके पिता ने। इस बात का भी नवीन बाबू को कोई गम नहीं था। वे तो बस अपनी बच्ची के लिए अपने सारे गमों को पीकर जी रहे थे। जीवन के अंतिम पड़ाव पर खड़े नवीन बाबू एक दिन बीमार पड़ गये। उनका इलाज भी कराता कौन? उनकी देख-भाल करने वाला ही था कौन? एक बेटी थी जो ईश्वर की बनायी खूबसूरत कलाकृति होने के बावजूद उसकी जिंदगी अंधकारमय थी। वह भी उनकी कितनी सेवा करती। उससे जितना बन पड़ता करती थी। वह उन्हें कहां और कैसे ले जाती? कौन उसकी भाषा को समझता? मोहल्लेवालों ने एक डॉक्टर को लाया था। डॉक्टर उन्हें देखते ही कहा था - इन्हें शहर के किसी बड़े अस्पताल में ले जाइए। वही इनका इलाज संभव है। मैं कुछ दवाएं लिख देता हूं। इन्हें मंगा लीजिए, लेकिन जल्द से जल्द किसी अस्पताल में ले जाइए।

यह सुनते ही हेली की आंखों के आगे अंधेरा छा गया। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि वह करे तो क्या? वह कैसे अपने पिता को शहर के किसी बड़े अस्पताल में ले जाए। भगवान ने उसकी बोलने की क्षमता जो छीन ली है।

वह विवश होकर अपने भाइयों के दरवाजे पर गयी थी, लेकिन कोई उसकी बेबसी पर तरस नहीं खा रहा था। वह निराश होकर लौट आयी और अपने पिता के चरणों में गिर गयी। उसकी आंखों से आंसुओं की धार बह निकली। उसके आंसुओं से मानो नवीन बाबू पांव धूल रहे थे।

बिस्तर पर पड़े नवीन बाबू धीरे से बोले - बेटी ! रोती क्यों हो ? जो होना है होकर ही रहेगा। मुझे अपनी कोई चिंता नहीं है, लेकिन तुम्हारे बारे में सोचकर बेचैन हो जाता हूं। मेरे बाद तुम्हारा क्या होगा ? तुम्हारे लिए एक जीवन साथी भी खोजा था, वह भी तुम्हें धोखा दे गया। अपना खून भी आज साथ देने को तैयार नहीं है। जो सेवा एक बेटे-बहू को करनी चाहिए, वह एक बेटी कर रही है। बेटे ने तो ठुकरा दिया, लेकिन बेटी ने एक बाप को सहारा दिया। तू किसी के पास मदद मांगने मत जाना, बेटी ! मुझे मेरे हाल पर छोड़ दो। ईश्वर पर भरोसा रखो। वह जो करेगा अच्छा ही करेगा।

हेली की आंखों से बहते आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। वह बेबस निगाहों से अपने पिता को एकटक निहार रही थी। बेजुबान हेली अपने पिता से बहुत कुछ कहना चाहती थी। अपने हृदय में उमड़ते दर्द के सैलाब को दबाये रखना नहीं चाहती थी। आज वह सब कुछ कहना चाहती थी, जो वह कभी कह न पायी थी। लेकिन आज भी तो वह कुछ कह पाने में असमर्थ थी। सिवाय आंसू बहाने के उसके पास विकल्प ही क्या था ? कैसे बताये कि वह अपने भाइयों के पास पिता के बीमार होने की खबर देने गयी थी। इसके बावजूद कोई देखने तक नहीं आया। नवीन बाबू की हालत बिगड़ती ही जा रही थी और जीवन-मृत्यु से संघर्ष करते हुए हेली को अकेला छोड़कर इस संसार से विदा हो गये। हेली उनके मृत शरीर के पास फूट-फूटकर रोने लगी। वह कहना चाहती थी कि पिता जी मुझे माफ कर देना। मैं आपका उचित इलाज नहीं करवा पायी। मैं विवश थी। ईश्वर ने मुझे सब कुछ दिया, किंतु बोलने की क्षमता नहीं दी। जिस बेटे को पाल-पोसकर बड़ा किया वह आपको देखने तक नहीं आया। एक बेजुबान से जो बन पड़ा किया। आपकी आत्मा तरसती चली गयी अपने बहू और पोतों का मुंह देखने के लिए। कितने निष्ठुर बन गये आपके बेटे इस तुच्छ संपत्ति के लिए। अब मेरा क्या होगा? कौन मेरी देख-भाल करेगा ? कैसे कटेगी आपकी बेजुबान बेटी की जिंदगी? ईश्वर ने मेरे साथ नाइंसाफी क्यों की?

न जाने कितने प्रश्न उसके मन-मस्तिष्क में कौंध रहे थे। नवीन बाबू की मौत की खबर सारे शहर में फैल गयी। मोहल्ले कि औरतों और मर्दों का जमघट लग गया। लेकिन इस मकान की दीवार के पीछे रहने वाले बेटे उनके अंतिम दर्शन तक करने नहीं आये। मोहल्ले के लोग इसी इंतजार में थे कि कब उनके बेटे आये और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरु की जाए। सुबह से शाम हो गयी, लेकिन उनका अपना खून उनके अंतिम दर्शन तक करने नहीं आया मानो उन्हें कुछ पता ही न हो। तभी मोहल्ले के एक व्यक्ति ने कहा - कोई जाकर इनके बेटे को इनकी मौत की खबर दे आओ। दूसरा बोला - इनकी मौत की खबर देकर क्या करोगे, भाई ! सारे शहर में इनकी मौत की खबर फैल गयी और एक दीवार के पार रहने वाले को इस बात की खबर कैसे नहीं होगी ? वे लोग अब नहीं आने वाले। क्यों इस मिट्टी के शरीर की दुर्गित करवाना चाहते हो ?

अब हम लोगों को ही इनके अंतिम संस्कार की तैयारी होगी। भीड़ में से आवाज आयी - नवीन बाबू को अग्नि कौन देगा ? तभी बेजुबान हेली आगे आयी इशारों में बोली- बेटे - पोते नहीं आये, तो क्या हुआ? मैं अपने पिता को अग्नि दूंगी। और मोहल्लेवालों ने नवीन बाबू की अर्थी को अपने कंधे पर उठा लिया। अपने पिता के मृत शरीर के साथ चल रही हेली यह सोचने पर विवश हो गयी कि जिस पिता ने अपने बच्चों को पाल-पोसकर उड़ने लायक बनाया, वही आज उन्हें मुड़कर देखने तक नहीं आया। बेटा-पोता से भरा-पूरा परिवार होने के बावजूद मेरे पिता को क्या मिला ? सिवाय घुटन, तड़प और दर्द के। अपने पिता को मुखाग्नि की बात, तो दूर कोई उनकी अर्थी को कंधा देने तक नहीं आया। वाह रे वक्त तू कितना रंग बदलता है। यह कैसी बिडंवना है कि समय के बदलाव में हम कितने बदल गये?

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

देहरी

घर की देहरी पर खड़े होकर बात करना महिलाओं का प्रिय शगल है। कभी आपने ध्यान दिया कि इस दौरान अधिकांश मामलों में संबंधित महिला का एक पैर देहरी के भीतर होता है, दूसरा आधा देहरी पर, आधा बाहर्। अपनी दुनिया के विस्तार की इच्छा को दर्शाता चौखट से बाहर का रुख करता पैर और घर पर अपने आधिपत्य की सतत पुष्टि करता चौखट के अंदर ठहरा पैर्। मनोविज्ञान में रुचि रखनेवालों के लिए यह गहन अध्ययन का विषय हो सकता है।

अलबत्ता वे चौखट का सहारा लेकर या उस पर हाथ टिकाकर खड़ी होती हैं। फ्रायड कहता है कि जो मन में, उसीकी प्रतीति जीवन में्। एक पक्ष हो सकता है कि घर की चौखट से बँधा होना उनकी रुचि या नियति है तो दूसरा पक्ष है कि चौखट का अस्तित्व उनसे ही है।

इस आँखों दिखती ऊहापोह को नश्वर और ईश्वर तक ले जाएँ। हम पार्थिव हैं पर अमरत्व की चाह भी रखते हैं्। 'पुनर्जन्म न भवेत' का उद्घोष कर मृत्यु के बाद भी मर्त्यलोक में दोबारा और प्रायः दोबारा कहते-कहते कम से कम चौरासी लाख बार लौटना चाहते हैं्।

स्त्रियों ने तमाम विसंगत स्थितियों, विरोध और हिंसा के बीच अपनी जगह बनाते हुए मनुष्य जाति को नये मार्गों से परिचित कराया है। नश्वर और ईश्वर के द्वंद्व से मुक्ति दिलाने के लिए उन्हें पहल करनी चाहिए्। इस पहल पर उनका अधिकार इसलिए भी बनता है क्योंकि वे जननी अर्थात स्रष्टा हैं्। स्रष्टा होने के कारण स्थूल में सूक्ष्म के प्रकटन की अनुभूति और प्रक्रिया से भली भाँति परिचित हैं। नये मार्ग की तलाश में खड़ी मनुष्यता का सारथ्य महिलाओं को मिलेगा तो यकीन मानिए, मार्ग भी सधेगा।

बोध कथा

व्यापारी का पतन और उदय

वर्धमान नामक शहर में एक कुशल व्यापारी रहा करता था। जब उस राज्य के राजा को उसकी कुशलता के बारे में पता चला, तो राजा ने उसे अपने राज्य का प्रशासक बना दिया। व्यापारी की कुशलता से आम व्यक्ति से लेकर राजा तक सभी बहुत प्रभावित थे। कुछ समय बाद व्यापारी की लड़की की शादी तय हुई्। इस खुशी में व्यापारी ने बहुत बड़े भोज का आयोजन किया। इस भोज समारोह में उसने राजा से लेकर राज्य के सभी लोगों को आमंत्रित किया। इस समारोह में राजघराने में काम करने वाला एक सेवक भी आया, जो गलती से राज परिवार के सदस्यों के लिए रखी कुर्सी पर बैठ गया। उस सेवक को कुर्सी पर बैठा देख व्यापारी को बहुत गुस्सा आता है। गुस्से में व्यापारी उस सेवक का उपहास कर समारोह से भगा देता है। इससे सेवक को शर्मिंदगी महसूस होती है और वह व्यापारी को सबक सिखाने की ठान लेता है।

कुछ दिन बाद जब वह राजा के कमरे की सफाई कर रहा होता है, तो उस समय राजा कच्ची नींद में होता है। सेवक मौके का फायदा उठाकर बड़बड़ाना शुरू कर देता है। सेवक बोलता है, व्यापारी की इतनी हिम्मत, जो रानी के साथ दुर्व्यवहार करे्। यह सुनकर राजा नींद से उठ जाता है और सेवक को कहता है, क्या तुमने कभी व्यापारी को रानी के साथ दुर्व्यवहार करते हुए देखा है। सेवक तुरंत राजा के पैरों में गिरकर उनसे माफी मांगने लगता है और कहता है, मैं रात में सो नहीं पाया, इसलिए मैं कुछ भी बड़बड़ा रहा हूं। सेवक की बात सुनकर राजा सेवक को कुछ नहीं बोलता, लेकिन उसके मन में व्यापारी के लिए शक पैदा हो जाता है।

इसके बाद राजा ने व्यापारी के राज महल में प्रवेश पर पाबंदी लगाकर उसके अधिकार को कम कर दिया। अगले दिन व्यापारी किसी काम से राज महल में आता है, तो उन्हें पहरेदार दरवाजे पर ही रोक देते हैं्। पहरेदार का यह व्यवहार देखकर व्यापारी को आश्चर्य होता है। वहीं, पास में खड़ा राजा का सेवक जोर-जोर से हंसने लगता है और पहरेदार से कहता है, तुम्हें पता नहीं, तुमने किसे रोका है। यह बहुत ही प्रभावशाली व्यक्ति हैं, जो तुम्हें यहां से बाहर निकलवा सकते हैं्। इन्होंने मुझे अपने भोज समारोह से निकलवा दिया था।

सेवक की उन बातों को सुनकर व्यापारी को सब समझ में आ जाता है और वह उस सेवक से माफी मांगता है। साथ ही वह उस सेवक को अपने घर दावत के लिए आमंत्रित करता है। व्यापारी ने सेवक को बड़े विनम्र भाव से भोज कराया और कहा कि उस दिन जो भी किया वह गलत था। व्यापारी से सम्मान पाकर सेवक खुश होता है और कहता है, आप परेशान न हो राजा से खोया हुआ सम्मान आपको जल्दी वापस दिलाऊंगा।

उसके अगले दिन राजा जब कच्ची नींद में होता है, तो सेवक कमरे की सफाई करते हुए फिर से बड़बड़ाने लगता है और कहता है, हे भगवान हमारे राजा इतने भूखे होते हैं कि गुसलखाने में स्नान करते हुए खीर खाते रहते हैं्। इस बात को सुनकर राजा नींद से उठकर सेवक से क्रोध में कहते हैं, मूर्ख सेवक तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुम मेरे बारे में ऐसी बात करो। राजा के क्रोध को देखकर सेवक पैर में गिरकर माफी मांगता है और कहता है, महाराज, रात को मैं ठीक तरह से सो नहीं पाया, इसलिए कुछ भी बड़बड़ा रहा हूं। फिर राजा सोचने लगता है, अगर यह सेवक मेरे बारे में ऐसा बोल सकता है, तो उस व्यापारी के बारे में भी झूठ ही बोल रहा होगा। अगले ही दिन राजा ने व्यापारी को महल में बुलाया और उन्हें उनसे छीने हुए सभी अधिकार वापस दे दिए्।

कहानी से सीख :

हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी को छोटा समझकर उनका मजाक नहीं उड़ाना चाहिए्। सभी का सम्मान करना चाहिए्। किसी को नीचा दिखाने से एक दिन खुद भी अपमान का सामना करना पड़ता है।

वीर गाथा

सिपाही पवन कुमारः शहीद हुए तो पिता बोले- 'मेरे और बेटे होते तो उन्हें भी भारत मां की रक्षा के लिए भेज देता'

सिपाही पवन कुमार का जन्म वर्ष 1997 में हिमाचल प्रदेश में शिमला के गांव रामपुर में हुआ था। माता भजुन दासी और पिता शिशुपाल के वीर पुत्र पवन स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद सेना में भर्ती हो गए थे। उन्हें 16 ग्रेनेडियर्स में शामिल किया गया था। पवन अपने उच्चाधिकारियों से कठोर प्रशिक्षण पाकर एक जांबाज सैनिक बन गए थे। उन्हें कई खतरनाक अभियानों में भेजा गया, जहां उन्होंने बहुत वीरता का प्रदर्शन किया था। अपनी मूल यूनिट में कुछ अवधि तक सेवा देने के बाद उन्हें 55 आरआर में जम्मू-कश्मीर भेज दिया गया था।

यूनिट ने साल 2023 में फरवरी से सितंबर बीच पुलवामा जिले में कई आतंकवादियों का संहार कर देश की सुरक्षा को मजबूत किया था। सेना के खुफिया सूत्र भी खूब सक्रिय थे, जो समय-समय पर गुप्त सूचनाएं भेजकर आतंकवादियों का खात्मा करवाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। एक दिन सेना को अपने अत्यंत विश्वसनीय खुफिया सूत्र से सूचना मिली कि अवंतीपोरा क्षेत्र के पदगामपोरा में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं्। सूचना का विश्लेषण करने के बाद एक अभियान चलाने की योजना बनाई गई्। 28 फरवरी, 2023 को 55 आरआर के जवानों के साथ सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम उस इलाके में पहुंची और घेराबंदी शुरू कर दी। पता चला कि आतंकवादी एक धार्मिक स्थल में छिपे हुए थे। सुरक्षा बलों ने सबसे पहले तो आम नागरिकों को वहां से बाहर निकाला। जब पवन कुमार तलाशी लेने के लिए आगे बढ़े तो एक आतंकवादी ने उन पर गोलीबारी कर दी। इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन आतंकवादी को भागने का मौका नहीं दिया। वे उसे मार गिराने में सफल रहे।

एक और आतंकवादी, जो वहीं छिपा हुआ था, ने यह देखा तो दूसरी इमारत की ओर भागा। वह उधर बाथरूम में छिप गया। पवन ने उसके बारे में साथी जवानों को जानकारी दे दी थी। जवानों ने आतंकवादी का पीछा किया और उसे वहीं ढेर कर दिया। आतंकवादियों के कब्जे से बड़ी संख्या में हथियार बरामद हुए थे। अगर वे जिंदा रह जाते तो बहुत बड़ी वारदात को अंजाम देते।

वह अभियान भारतीय सुरक्षा बलों के लिए बहुत बड़ी कामयाबी था। हालांकि उसे संभव बनाने में योगदान देने वाले पवन कुमार वीरगति को प्राप्त हो गए थे। जब यह समाचार घर पहुंचा तो पवन के पिता बोले, 'मुझे इकलौता बेटा खोने का दु:ख है। अगर मेरे चार बेटे और होते, तो उन्हें भी भारत मां की रक्षा के लिए भेज देता।' सिपाही पवन कुमार को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'ईरान सुरक्षित है', भारतीयों को वहां घूमने जाना चाहिए: ईरानी राजदूत

नई दिल्ली/भाषा

भारत में ईरान के राजदूत इराज इलाही ने पश्चिम एशिया में तनावपूर्ण स्थिति के बीच कहा है कि उनके देश और इजराइल के बीच तनाव ''कोई नई बात नहीं है'' और उन्होंने भारतीयों एवं अन्य पर्यटकों को भरोसा दिलाया कि यात्रा करने के लिए ''ईरान सुरक्षित है।''

इलाही ने भारतीयों से उनके देश घूमने आने का आग्रह किया।

राजदूत ने दिल्ली में 'ईरान पर्यटन रोड शो' के इतर 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार के दौरान यह भी उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच और अधिक सीधी उड़ानें शुरू होंगी और साथ ही भारतीय विमानन कंपनियां ईरान और भारत के कई विभिन्न शहरों के बीच भी उड़ानें शुरू करेंगी। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि वर्तमान में तेहरान और दिल्ली के बीच दो सीधी उड़ानें हैं तथा ईरानी राजधानी और मुंबई के बीच एक उड़ान है। यह पूछे जाने पर कि क्या ईरान और इजराइल के बीच शत्रुता सहित पश्चिम एशिया में मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति ने देश में आने वाले पर्यटकों की संख्या पर असर डाला है, इलाही ने कहा कि स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है और ''भारतीयों तथा अन्य पर्यटकों को ईरान में सुरक्षा संबंधी कोई समस्या नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''ईरान और इजराइल के बीच तनाव कोई नई बात नहीं है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनाव है इसलिए यह कोई नई बात नहीं है, जिसका ईरान की स्थिति पर असर पड़ेगा... मैं भारतीय पर्यटकों, भारतीय मित्रों को आश्वस्त करता हूं और उन्हें ईरान आने एवं ईरान की यात्रा करने के लिए आमंत्रित करता हूं।'' इलाही ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''उन्हें खुद आकर देखना चाहिए कि ईरान कितना सुरक्षित, सुंदर और आकर्षक है।' बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत-ईरान संबंधों की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर राजदूत ने कहा, ''भारत के साथ द्विपक्षीय संबंध न केवल अच्छे हैं, बल्कि शानदार हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत ने तत्कालीन ईरानी राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी के निधन पर एक दिन का शोक मनाया था जो ईरान के लिए अविश्वसनीय है और भारत द्वारा व्यक्त की गई संवेदनाएं ''ईरान की राष्ट्रीय स्मृति' में दर्ज हैं। उन्होंने कहा, '' ईरान के सर्वोच्च नेता भारत का बहुत सम्मान करते हैं और ईरान के राजदूत के रूप में मैं भी प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी और भारत सरकार के सम्मान को पूरी तरह महसूस करता हूं।''

महसा अमीनी की मौत की दूसरी बरसी से पहले ईरान में बिना हिजाब सड़कों पर दिखीं महिलाएं

दुबई/एपी

ईरान में महसा अमीनी की मौत और उसके बाद हुए व्यापक विरोध प्रदर्शनों की दूसरी बरसी से पहले शहरों में महिलाओं को बिना हिजाब पहने सड़कों पर निकलते देखना आम बात हो गई है।

हालांकि इस बढ़ते चलन के बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है और न ही इसके बारे में कोई अध्ययन हुआ है।

सोशल मीडिया पर सामने आ रहीं वीडियो में महिलाओं और लड़कियों विशेष रूप से सूर्यास्त के बाद बाल खोलकर आते-जाते हुए देखा जा सकता है। देश के नए सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने चुनाव प्रचार के दौरान, धर्माचार पुलिस द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने का वादा किया था। लेकिन देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई (85) ने कहा था कि पर्दा हटाने पर धार्मिक और राजनीतिक रूप से पाबंदी है। कुछ धार्मिक मुस्लिम महिलाओं के लिए उनके परिवार से बाहर किसी पुरुष के सामने सिर ढकना ईश्वर के समक्ष पवित्रता और विनम्रता का प्रतीक होता है। ईरान में, हिजाब - और कुछ लोगों द्वारा पहनी जाने वाली पूरी काली चादर - लंबे समय से एक राजनीतिक प्रतीक भी रही है। अमीनी (22) की 16 सितंबर, 2022 को एक अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। उन्हें देश की धर्माचार पुलिस ने कथित तौर पर अधिकारियों की पसंद के अनुसार हिजाब नहीं पहनने के कारण गिरफ्तार कर लिया था।

अमीनी की मौत के बाद देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद कई महीनों तक चली सुरक्षा कार्रवाई में 500 से अधिक लोग मारे गए और 22,000 से अधिक लोग हिरासत में लिए गए। आज, तेहरान के उत्तरी उपनगर में अमीर व्यक्तियों की कॉलोनियां हों या फिर दक्षिणी इलाकों में श्रमिकों के मोहल्ले हों, महिलाओं को सड़कों पर बिना हिजाब पहने निकलते देखा जा सकता है। यह विशेष रूप से शाम के समय शुरू होता है, हालांकि सप्ताह के अंतिम दिनों में सूर्यास्त से पहले भी महिलाओं को प्रमुख पार्कों में बाल खोले देखा जा सकता है।

तेहरान शरीफ विश्वविद्यालय की छात्रा अजादेह (25) ने कहा, महसा अमीनी के कारण मुझमें हिजाब न पहनने का साहस आया है और हमें इसे एक उपलब्धि के रूप में संरक्षित करना होगा। उन्होंने कहा, अगर वह (अमीनी) जिंदा होतीं, तो मेरी उम्र की होतीं।

हालांकि ऐसी महिलाओं के लिए मुश्किलें भी कम नहीं हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सरकार ने उन निजी व्यवसायों की पहचान की है जहां महिलाएं बिना सिर ढके नजर आती हैं और निगरानी कैमरे लगे वाहनों से हिजाब न पहनने वाली महिलाओं की तलाश की जाती है ताकि उन पर जुर्माना लगाया जा सके और उनकी गाड़ियां जब्त की जा सकें। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि सरकार ने 2024 के तेहरान अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले और किश द्वीप पर हिजाब न पहनने वाली महिलाओं की निगरानी के लिए हवाई ड्रोन का इस्तेमाल किया। फिर भी कुछ लोगों का मानना है कि मई में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में ईरान के रूढ़िवादी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद जुलाई में पेजेशकियान के हाथ में देश की बागडोर आने पर हिजाब को लेकर तनाव कम हो रहा है।

अड़तिस वर्षीय पुस्तक विक्रेता हामिद ज़रीनजौई ने कहा, मुझे लगता है कि मौजूदा शांतिपूर्ण माहौल पेजेशकियान के पदभार संभालने के बाद कायम हुआ है।

यूक्रेन ने रूसी क्षेत्र में हमलों को मंजूरी देने के लिए पश्चिम देशों से एक बार फिर अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव। अमेरिकी और ब्रिटिश नेताओं के बीच एक दिन पहले हुई बैठक में लंबी दूरी के हथियारों के इस्तेमाल को लेकर उनकी नीति में कोई बदलाव नहीं दिखाई देने पर यूक्रेन ने शनिवार को पश्चिमी देशों से एक बार फिर अनुरोध किया कि वे उसे रूस में अधिक गहराई तक हमला करने की अनुमति दें।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार एंड्री यरमक ने शनिवार को कहा, ''रूसी आतंक रूसी संघ के अंदर मौजूद हथियार के भंडार, हवाई क्षेत्रों और सैन्य अड्डों से शुरू होता है।'' उन्होंने कहा कि रूस में भीतर तक हमला करने की अनुमति मिलने से समस्या के समाधान में तेजी आएगी। यह नया अनुरोध तब समाने आया जब कीव ने कहा कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर और अधिक ड्रोन और तोपों से हमले किए।

यूक्रेनी अधिकारियों ने बार-बार सहयोगियों से रूसी क्षेत्र के अंदर गहराई तक हमला करने के लिए पश्चिम द्वारा प्रदत्त लंबी दूरी के हथियारों के उपयोग की अनुमति देने का आग्रह किया है। अभी तक अमेरिका ने कीव को यूक्रेन से लगी रूस की सीमा के अंदर एक सीमित क्षेत्र में ही अमेरिका प्रदत्त हथियारों का उपयोग करने की अनुमति दी है।

माना जाता है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की शुक्रवार को वाशिंगटन डीसी में मुलाकात हुई तो लंबी दूरी के हमलों की अनुमति देने पर चर्चा हुई, लेकिन बैठक के तुरंत बाद किसी निर्णय की घोषणा नहीं की गई।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अमेरिका और अन्य सहयोगियों पर दबाव डाल रहे हैं कि उनकी सेना को पश्चिमी हथियारों का उपयोग करके हवाई अड्डों और दूर के प्रक्षेपण स्थलों को निशाना बनाने की अनुमति दी जाए, क्योंकि रूस ने सर्दियों से पहले यूक्रेन के बिजली घरों और उपयोग की अन्य चीजों पर हमले तेज कर दिए हैं। उन्होंने शनिवार सुबह की बैठक पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन कहा कि रात भर में 70 से अधिक रूसी ड्रोन यूक्रेन में हमले के लिए भेजे गए।

यूक्रेनी वायुसेना ने बाद में कहा कि 76 रूसी ड्रोन देखे गए थे, जिनमें से 72 को मार गिराया गया।

रात भर हुए अन्य हमलों में रूसी तोप के गोले से एक व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि 54 वर्षीय एक चालक की मौत हो गई और सात अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

क्षेत्रीय गवर्नर इहोर तेरेखोव ने कहा कि एक 'केएबी' हवाई बम पूर्वी शहर खार्किव में एक गैरेज परिसर पर भी गिरा, लेकिन किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

इस बीच, मॉस्को में अधिकारियों ने सार्वजनिक बयान जारी कर चेतावनी दी है कि लंबी दूरी के हमलों से रूस और पश्चिम के बीच तनाव और बढ़ जाएगा।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि देश के कुर्स्क और बेलगोरोड क्षेत्रों में 19 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

सोहम शाह ने 'तुम्बाड 2' का किया ऐलान

मुंबई/एजेन्सी

सोहम शाह फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस 'तुम्बाड' 6 साल बाद सिनेमाघरों में वापस आ गई है। ऐसे में फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और ज्यादा बढ़ाते हुए मेकर्स ने अब इसके सीक्वल तुम्बाड 2 की घोषणा कर दी है। 'तुम्बाड' की री-रिलीज ने इस फैंटेसी फिल्म के जादू को वापस ला दिया है और पहले दिन की कमाई के साथ ही इसने नए रिकॉर्ड सेट किए हैं। देश भर में लोगों ने उत्साह के साथ फिल्म का स्वागत किया है, जिससे इसकी री-रिलीज एक बड़ी हिट बन गई है।

एक ड्रामेटिक वीडियो के जरिए 'तुम्बाड 2' की घोषणा की जाती है। वीडियो की शुरुआत विनायक और उसके बेटे पांडुरंग से होती है, जिसमें सोहम शाह की आवाज एक रहस्यमय चेतावनी देती हुई सुनाई देती है। समय का पहिया गोल है, जो बीत गया वो फिर लौट के आएगा दरवाज़ा भी एक बार फिर खुलेगा। टीजर के आखिर में प्रलय, प्रलय फिर आएगा शब्द सुनाई देते हैं, जो आने वाले सीक्वल की भव्यता की ओर इशारा करते हैं।फिल्म के एक्टर और प्रोड्यूसर सोहम शाह ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा है, तुम्बाड हमारे लिए एक खास और प्यार भरा प्रोजेक्ट रहा है। फिल्म के लिए लगातार मिल रहे प्यार को देखकर बहुत अच्छा लग रहा है और यह सोहम शाह फिल्म्स में हमारे इस विश्वास को मजबूत करता है कि अच्छा कंटेंट ही किंग है। तुम्बाड 2 के साथ, हम सिनेमाई अनुभव और सीमाओं को और भी आगे ले जाना चाहते हैं। तुम्बाड 2 दर्शकों को हमारी बनाई दुनिया में और भी गहराई से ले जाएगा, जिसमें बड़े ट्विस्ट और ज्यादा नजदीक से चीजें देखी जाएंगी, यह बताते हुए की जब लालच की कोई सीमा नहीं होती है तो क्या होता है।फैंस तुम्बाड 2 का बेसब्री से इंतजार कर सकते हैं, जिसमें वह कल्पना और लोककथा पर बनी दुनिया में और गहराई से उतर पाएंगे, जिसने पहली फिल्म को इतना पॉपुलर बनाया है। सीक्वल में आने वाले तूफान का संकेत देते हुए, मेकर्स एक और बेहद रोमांचक कहानी का वादा करते हैं, जो तुम्बाड की अंधेरी, पौराणिक दुनिया में एक बार फिर लेकर जाएगा।

लंदन फैशन वीक में शामिल होंगी मौनी रॉय

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मौनी रॉय प्रतिष्ठित लंदन फैशन वीक, 2024 में शामिल होने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वह दिग्गज फैशन डिजाइनर राहुल मिश्रा के शो में शामिल होंगी, जहां वह अपने डिजाइनों का प्रदर्शन करेंगी। मौनी के प्रशंसक उन्हें फैशन शो में देखने के लिए उत्सुक हैं। इस कार्यक्रम में अभिनेत्री की मौजूदगी एक फैशन आइकन के तौर पर सुर्खियों में रहने वाली है। राहुल के शो के बाद, मौनी इस सप्ताह कुछ और शो में हिस्सा लेगी। उनके आकर्षक रेड कार्पेट लुक और कैजुअल-चिक स्ट्रीट स्टाइल ने हमेशा उनके प्रशंसकों को आकर्षित किया है, ऐसे में उनके फैंस को बेसब्री से उनका इंतजार रहता है। शुक्रवार को शुरू हुआ फैशन वीक 17 सितंबर तक चलेगा। राहुल ने 2006 में लैक्मे फैशन वीक में केरल के सूती हस्तकरघा वस्त्रों के संग्रह के साथ अपनी शुरुआत की।

वह पहले भारतीय डिजाइनर हैं जिन्हें पेरिस में हाउते कॉउचर वीक में प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने 2014 में मिलान फैशन वीक में अंतर्राष्ट्रीय वूलमार्क पुरस्कार जीता और यह पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय डिजाइनर बने थे। दूसरी ओर, मौनी को सुपरनैचुरल थ्रिलर सीरीज 'नागिन' में आकार बदलने वाले सांपों के किरदार के लिए जाना जाता है।

उन्होंने 2006 में टेलीविजन शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 'देवों के देव...महादेव' में सती और 'जुनून - ऐसी नफरत तो कैसा इश्क' में मीरा की भूमिका निभाई। रॉय ने 2011 में पंजाबी रोमांटिक फिल्म 'हीरो हिटलर इन लव' से अपने फ़िल्मी करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 2018 में रीमा कागती द्वारा निर्देशित और अक्षय कुमार द्वारा अभिनीत पीरियड स्पोर्ट फिल्म 'गोल्ड' से हिंदी फ़िल्मों में डेब्यू किया। इसके बाद वह 'लंदन कॉन्फिडेंशियल', 'मेड इन चाइना', 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन - शिवा' और 'ब्लैकआउट' जैसी फिल्मों में नजर आईं। 38 वर्षीय अभिनेत्री आखिरी बार मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित वेब सीरीज 'शोटाइम' में दिखाई दी थीं। इसमें इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में हैं। मौनी की अगली फिल्म 'द वर्जिन ट्री' है।

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी को लेकर फिल्म बनाएंगे साजिद नाडियाडवाला

मुंबई/एजेन्सी

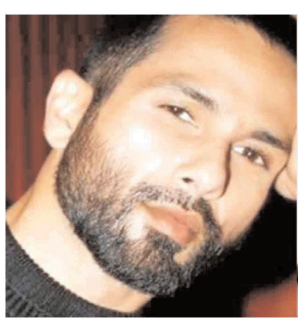

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला और विशाल भारद्वाज, शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी को लेकर फिल्म बनाने जा रहे हैं। बॉलीवुड के स्टार शाहिद कपूर आगामी परियोजना के लिए निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक विशाल भारद्वाज के साथ फिर से जुड़ने जा रहे है।तृप्ति डिमरी भी इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का हिस्सा होंगी। इस फिल्म को बड़ी एक्शन कमर्शियल एंटरटेनर माना जा रहा है। साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन हाउस नाडियाडवाला ग्रैंडसन ने अपने एक्स हैंडल पर यह रोमांचक खबर साझा की।पोस्ट शेयर करते हुये प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, मैं प्रतिभाशाली निर्देशक, मेरे प्रिय मित्र विशाल भारद्वाज और अभूतपूर्व पावरहाउस शाहिद कपूर के साथ जुड़कर रोमांचित हूं! नाडियाडवाला ग्रैंडसन में अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली तृप्ति डिमरी का स्वागत करना सम्मान की बात है!

परियोजना का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित शाहिद कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर घोषणा पोस्ट को फिर से साझा किया और लिखा, इसके लिए बहुत उत्साहित हूं। शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकता।'इस खबर की पुष्टि करते हुए विशाल भारद्वाज ने कहा, मैं अविश्वसनीय साजिद नाडियाडवाला, बेहतरीन निर्माताओं में से एक और एक प्रिय मित्र और प्रतिभाशाली शाहिद कपूर, के साथ एक बार फिर काम करने के लिए रोमांचित हूं। तृप्ति डिमरी के साथ काम करना बहुत सुखद है। गौरतलब है कि विशाल भारद्वाज ने शाहिद कपूर को लेकर 'कमीने', 'हैदर' और 'रंगून' जैसी फिल्में बनायी है।

गुरुदत्त की बनायी फिल्मो जैसी फिल्में बनाना चाहती है कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री-फिल्मकार कंगना रनौत, गुरुदत्त की निर्मित फिल्मों जैसी फिल्में बनाना चाहती हैं। कंगना रनौत ने महान फिल्म निर्माता-निर्देशक गुरुदत्त के बारे मे बात की है। कंगना को उम्मीद है कि एक दिन उन्हें उनके काम के लिए याद किया जाएगा।कंगना ने कहा, हमारे इतिहास में गुरुदत्त से बड़ा कोई फिल्म निर्माता नहीं है। वे बहुत महत्वपूर्ण थे, और उनका जुनून शानदार था। यदि मैं उनसे मिल पाती, तो मैं उनसे अनुरोध करती कि वे मुझे अपनी फिल्मों में निर्देशित करें।गुरुदत्त की फिल्में आकर्षक होती हैं। मिस्टर एंड मिसेज 55 देखें, जिस तरह से उन्होंने कॉमेडी फिल्म बनाई और उसका निर्देशन किया, उनका अभिनय... कागज के फूल और प्यासा जैसी उनकी फिल्में, उन्होंने कितने शानदार शॉट दिए हैं। वे जबरदस्त थे। वे बहुत बुद्धिमान थे। कंगना ने कहा, कागज़ के फूल जैसी फिल्मों में जटिल किरदार और अभिनव सिनेमैटोग्राफी बेजोड़ है। कागज़ के फूल को हर कोई पसंद करता है।कंगना ने फिल्म गाइड में वहीदा रहमान की भूमिका के लिए भी उनकी तारीफ की। कगना ने कहा,मुझे गाइड में वहीदा रहमान की भूमिका बहुत पसंद आई। यह बहुत शक्तिशाली और अपने समय से आगे की थी। कंगना की अगली फिल्म इमरजेंसी एक ऐसी परियोजना है जिसका दुनियाभर को इंतजार है। यह फिल्म पहले 06 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन सीबीएफसी की मंजूरी के कारण इसे रोक दिया गया था।

सेल्फी लेने से इंकार करने पर रवीना टंडन ने लंदन में अपने प्रशंसकों से मांगी माफी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री रवीना टंडन ने लंदन में अपने प्रशंसकों से बिना सेल्फी लिए अचानक चले जाने के बाद माफी मांगी है। रवीना टंडन ने अपने सोशल मीडिया के एक्स अकाउंट पर घटना के बारे में अपने विचार और भावनाएं साझा की और बताया कि उन्होंने इस तरह की प्रतिक्रिया क्यों दी।अपने पोस्ट में रवीना ने कहा कि मुंबई के बांद्रा में पिछली घटना के दौरान उनपर नशे में होने और कार दुर्घटना का कारण बनने का झूठा आरोप लगाया गया था। मुंबई पुलिस ने बाद में दावों का खंडन किया, लेकिन ऐसे अनुभव ने उन्हें झकझोर कर रख दिया है, इसलिए लंदन में जब उनके प्रशंसक ने उनके साथ एक सेल्फी लेनी चाही तो उन्होंने इंकार कर दिया। रवीना ने लिखा, नमस्कार, ''कुछ दिन पहले लंदन में मैं पैदल जा रही थी और कुछ लोग मेरे पास आए। और जब उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं रवीना टंडन हूँ तो मैं थोड़ा पीछे हट गयी और मेरी पहली प्रवृत्ति यह थी कि मैं ना कह दूं और और तेजी से चली जाऊं, क्योंकि मैं अकेली थी, मुझे लगता है कि वे सिर्फ एक तस्वीर चाहते थे और मैं ज्यादातर समय इसके लिए तैयार रहती हूँ लेकिन मैंने उन्हें मन कर दिया क्योंकि कुछ महीने पहले बांद्रा में हुई घटना के बाद से मैं थोड़ा घबरा गयी हूं और सदमे में हूं, इसलिए जब मैं लोगों के साथ होती हूं तो ठीक रहती हूं, लेकिन अकेले में इन दिनों भी थोड़ा घबरा जाती हूं।

रवीना ने कहा, मुझे शायद उन्हें एक फोटो देनी चाहिए थी क्योंकि शायद वे प्रशंसक थे, लेकिन मैं घबरा गई और तेजी से चली गई और बस एक सुरक्षा आदमी से मदद मांगी। इस घटना के बाद मुझे बहुत बुरा लगा। यदि वे पढ़ रहे हैं तो मैं इस माध्यम से उनसे माफी मांगना चाहती हूं कि मेरा इरादा ठेस पहुंचाने का नहीं था, मुझे वास्तव में खेद है।उम्मीद है कि मैं आपसे दोबारा मिल सकूंगी और आपके साथ एक तस्वीर क्लिक कर सकूंगी। मैं सुलभ और सामान्य रहने की पूरी कोशिश करती हूं, लेकिन कभी-कभी असफल हो जाती हूं। इसलिए क्षमा करें दोस्तों, मुझे आशा है कि आप इसे पढ़ रहे हैं समझेंगे। गौरतलब है कि जून में रवीना के मुंबई स्थित घर के बाहर उनके ड्राइवर के साथ हाथापाई की खबर आई थी और उन पर नशे में होने और कार दुर्घटना का कारण बनने का आरोप लगाया गया था।

करीना कपूर खान ने 'द बकिंघम मर्डर्स' फिल्म की रिलीज पर जताया गर्व !

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने अपनी फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' के सेट से बीटीएस झलकियां शेयर की और फिल्म की रिलीज पर गर्व जताया है। करीना कपूर खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म करीना के लिए खास महत्व रखती है क्योंकि वह इसमें निर्माता के तौर पर अपने करियर की शुरुआत कर रही हैं और इस बार एक पूरी तरह से अलग और गंभीर भूमिका में नजर आ रही हैं। करीना इस फिल्म को लेकर अपने चुनाव पर गर्व महसूस कर रही हैं और इसे दुनिया के सामने पेश करने के लिए उत्साहित हैं। करीना कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 'द बकिंघम मर्डर्स' के सेट से बीटीएस झलकियां शेयर की हैं।उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा ,एक एक्टर के रूप में, जो चुनाव आप करते हैं, वही मायने रखता है... और मुझे इस चुनाव पर गर्व है। कृपया इस कहानी को देखें और मेरे अपराध और ड्रामा की दुनिया में कदम रखें... यह एक सपना था जिसे मैं हमेशा से एक अभिनेता या निर्माता के तौर पर जीना चाहती थी... लेकिन यहाँ मुझे दोनों दुनिया का बेहतरीन अनुभव मिला है।

फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' में करीना कपूर खान, आश तंडन, रणवीर ब्रार और कीथ एलेन जैसे बेहतरीन कलाकारों की टीम शामिल है। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित और असिम अरोरा, कश्यप कपूर, और राघव राज कक्कड़ द्वारा लिखित, यह फिल्म महाना फिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा प्रस्तुत की गई है, जिसे बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा पेश किया गया है और शोभा कपूर, एकता आर कपूर, और करीना कपूर खान द्वारा निर्मित किया गया है।

काजल अग्रवाल ने फिल्म सिकंदर की शूटिंग शुरू की

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर की शूटिंग शुरू कर दी है। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले साजिद नाडियाडवाला द्वारा फिल्म सिकंदर बना रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'गजनी' फेम निर्देशक ए.आर. मुरुगादॉस कर रहे हैं। फिल्म सिकंदर में सलमान खान, रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल की मुख्य भूमिका है। काजल अग्रवाल ने फिल्म सिकंदर की शूटिंग शुरू कर दी है। काजल अग्रवाल ने 'सिकंदर' के सेट से एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। काजल अग्रवाल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में काजल अपने नाम का एक खास कार्ड पकड़े हुए दिख रही हैं, जिसके साथ सूरजमुखी का एक खूबसूरत गुलदस्ता जुड़ा हुआ है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'सिकंदर डे।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के उपनगर देवनहल्ली के नंदी हिल्स के समीप 7 एकड़ के विशाल भूखंड पर प्रस्तावित जैन रिसोर्ट का भूमिपूजन एवं खनन विधान कार्यक्रम शनिवार को धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

प्रस्तावित चार सितारा स्तरीय जैन रिसोर्ट का भूमिपूजन एवं खनन विधि कार्यक्रम सम्पन्न

करबावाला परिवार ने किया भूमिपूजन व कानूंगा परिवार ने खनन विधि की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के उपनगर देवनहल्ली के नंदी हिल्स के समीप 7 एकड़ के विशाल भूखंड पर प्रस्तावित जैन रिसोर्ट का भूमिपूजन एवं खनन विधान कार्यक्रम शनिवार को धूमधाम से सम्पन्न हुआ। संपूर्ण जैन समाज के सहयोग से बनने जा रहे इस रिसोर्ट के भूमि पूजन के लाभार्थी सादड़ी राणकपुर निवासी पवनबेन फूलचंद करबावाला परिवार के नरेन्द्र-अशोक करबावाला ने नए जैन रिसोर्ट के भूमि की पूजा कर शुद्ध किया एवं खनन विधान के लाभार्थी गढ़ सिवाना निवासी सिद्धिकादेवी ललितकुमार कानूंगा परिवार के ललितकुमार, आशीषकुमार, श्रेणीककुमार कानूंगा ने पूरे विधि विधान से पंडित निरंजनजी के मार्गदर्शन में कुदाल, फावड़ा आदि से खनन विधि कर दूध, दही, शहद आदि पूजा सामग्री से खनन विधान किया। विधि विधान के बाद करबावाला व कानूंगा परिवार का गोड़वाड़ भवन जैन ट्रस्ट के कुमारपाल सिसोदिया, अध्यक्ष दिलीप सुराणा, जैन रिसोर्ट के प्रोजेक्ट चेयरमैन निशांत रांका, महामंत्री विक्रम करबावाला, उपाध्यक्ष भंवरलाल करबावाला, ललित तलेसरा व प्रवीणकुमार सोनीगरा, सहमंत्री रमेशकुमार चंदावत व रंगराज हिंगड़ व सहकोषाध्यक्ष राजेशकुमार राठौड़ आदि द्वारा सम्मान किया गया।

गोड़वाड़ भवन जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में बनेगा यह रिसोर्ट

ट्रस्ट के अध्यक्ष दिलीप सुराणा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह जैन रिसोर्ट चार सितारा स्तरीय बनने जा रहा है और यह शुद्ध शाकाहारी रिसोर्ट में विवाह एवं शुभप्रसंगों के आयोजन में सुविधा होगी। प्रोजेक्ट चेयरमैन निशांत रांका ने जैन रिसोर्ट के निर्माण व डिजाइन की जानकारी देते हुए कहा कि इस रिसोर्ट में कुल 232 कमर, 15 कॉटेज, खुला लांउज एरिया, आयुर्वेदिक स्पा, स्वीमिंग पुल, मंदिर सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध होगी ताकि लोगों को विभिन्न मांगलिक कार्यक्रम करने में सहूलियत हो। उन्होंने बताया कि उनकी टीम का प्रयास है कि 3 साल के तय समय में यह रिसोर्ट को तैयार किया जाए। ट्रस्ट के महामंत्री विक्रमकुमार करबावाला ने बताया कि इस रिसोर्ट को बहुउपयोगी बनाने के लिए तीन बडे बडे लॉन बनाए जा रहे है। इस रिसोर्ट के आकर्षक एवं मनमोहनीय निर्माण में किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा । उन्होंने सभी भामाशाहों से इस योजना से जुडने की अपील करते हुए दानदाताओं का आभार प्रकट किया।

समस्त जैन समाज के सहयोग से बनेगा यह बहुउपयोगी रिसोर्ट

ट्रस्ट के वरिष्ठ कुमारपाल सिसोदिया गोड़वाड़ भवन ट्रस्ट की विकास यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि समस्त जैन समाज के अपार स्नेह एवं समर्थन से इस जैन रिसोर्ट का भागीरथी कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने संस्था की स्थापना से भीमराज करबावाला, स्व. घेवरचंद सुराणा व स्व. दिनेश रांका के अभूतपूर्व योगदान को याद करते हुए समय समय प्रदत्त सहयोग के प्रति भी आभार प्रकट किया। सिसोदिया ने संस्था द्वारा किए गए कार्य राणावत अतिथि भवन, कोरोना काल में मानव सेवा, संस्था द्वारा तीसरे बच्चे के जन्म पर दी जाने वाले प्रोत्साहन राशि, बुजुर्गों को दवाईयां एवं आवश्यक सामग्री, एकल बुजुर्ग या अशक्त बुजुर्गों के लिए टिफीन व्यवस्था, अल्पसंख्यक कार्ड सेवा आदि विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। सिसोदिया ने कहा कि यह जैन रिसोर्ट समस्त जैन समाज के उदार सहयोग से बनेगा। उन्होंने कहा कि हम तय समय में इसके निर्माण कार्य को पूरा करेंगे जिसके लिए उन्होंने विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी लोगों से उदार हृदय से योजनाओं से जुड़ने का निवेदन किया। उन्होंने बताया कि लगभग 40 दिन बाद ही इस जैन रिसोर्ट का शिलान्यास कार्यक्रम भी आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिलान्यास का लाभ मदन कैलाश बोराणा परिवार ने लिया है।

इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्य कांतिलाल राठौड, हरीश सोलंकी, नवरतन पुनमिया सहित गोड़वाड़ महासभा के सदस्यों ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली। शांति गुरु भक्त परिवार का भी व्यवस्था में सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन महीपाल सुराणा ने किया ।

मुगल काल में आचार्य हीरसूरि ने किए कई बड़े काम : आचार्य विमलसागरसूरी

आचार्य हीरविजयसूरी पुण्यतिथि और आचार्य पद्मसागरसूरी की जयंती पर हुआ संतों का गुणगान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी के सान्निध्य में जगद्गुरु आचार्य हीरविजयसूरीश्वरजी की 428 वीं पुण्यतिथि और जैनाचार्य पद्मसागरसूरीश्वर के 90वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में गुरु गुणगौरव समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मुगल दरबार के इतिहासकार अब्बुल फ़जल, जानेमाने अंग्रेज लेखक विंसेंट स्मिथ और पुर्तगाली पादरी पिंहेरो ने इन बातों के उल्लेख अपने ग्रंथों और डायरियों में किए हैं। आचार्यश्री ने बताया कि इतिहासकार रामास्वामी अय्यंगार ने लिखा है कि अकबर के अब्बुल फ़जल ने जैनाचार्य हीरविजयसूरीश्वरजी के शिष्यों को लाहौर में भव्य महोत्सव कर उपाध्याय के पद से नवाजा था। अब्बुल फ़जल को उन्हीं ने भारतीय दर्शनों और भाषाओं का ज्ञान दिया था।

सिरोही के दरबार राव सुरताण के निवेदन पर सिरोही के जैनसंघ ने भव्य महोत्सव पूर्वक हीरविजयसूरीश्वरजी को आचार्य पद पर आरूढ़ किया था। राव सुरताण जैनाचार्य के परम भक्त थे। जैनाचार्य के कारण ही सिरोही के साथ अकबर का दत्ताणी-मुंथला के मैदान में होने जा रहा दूसरा युद्ध सदा के लिये बंद रहा था। महाराणा प्रताप ने प्रभावित होकर पत्र लिखकर जैनाचार्य को मेवाड़ आने की विनंती की थी। अकबर ने जैनाचार्य के पास अपने बेटे सलीम को सुधारने के लिये भेजा था।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि मुगल सम्राट अकबर को प्रतिबोध देकर जगतगुरु आचार्य हीरविजयसूरीश्वर ने जैन व हिन्दू प्रजा के हित में अनेक ऐतिहासिक कार्य करवाए थे। हिन्दू बने रहने के लिए हिन्दू प्रजा से प्रतिवर्ष वसूला जाता 14 करोड़ सोना मोहरों का जजिया टेक्स जैनाचार्य ने बंद करवाया था। उन्होंने जैन व हिन्दू तीर्थों की सुरक्षा के लिए अकबर से पट्टे लिखवाकर लिए थे। हिन्दू व जैन पर्वों-त्योहारों के अवसर पर जीवहिंसा प्रतिबंध का आदेश भी आचार्य हीरविजयसूरीश्वरजी ने अकबर से अखंड भारत वर्ष में लागू करवाया था। समाज व धर्म की रक्षा और गौरव के लिए उन्होंने अपने बुद्धि-कौशल्य, ज्ञानप्रतिभा, साहस और साधना की शक्ति का बखूबी परचम लहराया था। देश की परतंत्रता के इतिहास में जैनाचार्य की ये उपलब्धियां आत्मगौरव, धर्मगौरव और राष्ट्रगौरव का स्वर्णिम अध्याय है।

शनिवार को सैकड़ों बालकों और युवक-युवतियों ने आयंबिल तप किया। दोपहर को समभाव की साधना के लिए सामूहिक सामायिक का आयोजन हुआ। रात्रि में गणि पद्मविमलसागरजी ने धर्मसभा को संबोधित किया।

जीतो लेडीज विंग नार्थ ने क्षमा विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो नार्थ चैप्टर के अन्तर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा 'क्षमा का रास्ता-प्रेम और मिलन की दास्ताँ' विषयक एक संगोष्ठी राजाजीनगर स्थित कार्यालय में अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में आयोजित हुई। तनुजा मेहता ने कहा की कभी भी पद के लिए नहीं स्वयं के आनंद हेतु कार्य करने की क्षमता रखे तो विकास बहुत होगा। संतोष सोलंकी ने कहा कि यह एक सशक्त मंच है जहां अपनी प्रतिभा उभरकर आती है। अल्का लोढ़ा ने कहा कि समय जब भी कोई अवसर दे सीखने का तो लगन के साथ जुड़ाव होना चाहिए। नीपा जैन ने कहा की अति अल्प समय में लेडीज विंग ने एक नई पहचान बनाई है। सारिका जैन ने कहा की समाज में छुपी हुई प्रतिभा को आगे लाने में पदाधिकारियों का पुरुषार्थ बहुत रहा। सरोज गिरिया, सिंपल हिंगड, विनोद खटेड़, संतोष गिरिया ने अपने-अपने अनुभवों को साझा किया।

कार्यक्रम संचालक बिन्दु नाहर ने कहा कि क्षमा देना और लेना बहुत बड़ा कार्य है। मेंटर निशा सामर, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना, रेश्मा पूनमिया, कार्यसमिति सदस्य तनुजा मेहता, नीता गादिया, मनीषा डोसी, सुमन रांका, सुमन सिंघवी, साधना धोका, संगीता बेताला, मीना बड़ेरा, रक्षा छाजेड, संगीता नागोरी आदि ने विचार रखे। संयोजिका सूर्यकला सियाल ने संचालन किया। विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी एवं महामंत्री सुमन वेदमुथा ने संयुक्त रूप से धन्यवाद दिया।

भारतीय संस्कृति में शिक्षक का स्थान मां सरस्वती के समान : महेन्द्र मुणोत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक सरकार सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालय शिक्षक संघ की ओर से शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तर पर शिक्षक पुरस्कार समारोह और राज्य सम्मेलन का आयोजन शिक्षक सदन में किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होरट्टी, विधान परिषद सदस्य पुटन्ना, विजयनगर मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेद्र मुणोत आदि ने 35 से अधिक शिक्षकों को राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि हमारी संस्कृति में एक कहावत है आचार्यदेवोभव: इसका मतलब है कि भारतीय संस्कृति में शिक्षक का स्थान मां सरस्वती के बराबर है। माता-पिता अपने बच्चों को अत्यंत विश्वास और भरोसे के साथ शिक्षकों को सौंपते हैं। शिक्षकों का कर्तव्य है कि वे ऐसे बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार दें और उन्हें अच्छा इंसान बनाएं।

काँठा प्रांत बॉक्स क्रिकेट लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सम्पन्न

'मोहनलाल खिवेंसरा कप' प्रतियोगिता की तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय काँठाप्रांत विजयनगर मंडल द्वारा 28 व 29 सितंबर को आयोजित होने वाले बॉक्स क्रिक्रेट लीग 'मोहनलाल खिवेंसरा कप' के लिए खिलाड़ियों की नीलामी मंगलवार को सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता में 10 पुरुषों की और 8 महिलाओं की टीम भाग लेंगी। इस बार बेंगलूरु की चार, चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद एवं हुब्बल्ली से आने वाली 4 टीमों के साथ मुकाबला होगा। इस मौके पर अमरचंद गुंदेचा, अरविन्द तपरावत एवं उत्तम कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस प्रतियोगिता के टाइटल प्रायोजक श्रीपाल खिवेंसरा परिवार सहित अनेक प्रायोजक है। ऑक्शन कार्यक्रम के प्रायोजक काँठाप्रांत विजयनगर मंडल स्वयं ने किया। प्रतियोगिता के लिए 140 खिलाड़ियों को नीलामी द्वारा मारवाड़ मार्वेल्स, गांधी टस्कर्स, कटारिया 11, गुगलिया जिएंट, सीजे नाइट राइडर्स, एलडी लीजेंड्स, एचएमपी, सिंघवी किंग्स, हाई फ्लायर्स, प्राचीन क्राफ्टर्स, कृष्ण स्ट्राइकर्स टीमों में बांटा गया। महिला खिलाडियों को माही स्टनर्स, पावर पफ एंजेल्स, यूके सुपर क्वीन्स, रूबी स्टारलेट्स, सुपर क्वीन्स, अधिराज ब्लास्टर्स, चंपा वॉरियर्स, लांबिया क्वीन्स टीम में बांटा गया। स्तरीय मुकाबले में से चयनित खिलाड़ी बेंगलूरु एसके स्ट्राइकर्स, बेंगलोर एम.बी. किंग्स, बेंगलूरु एचएमपी सिंघवी किंग्स, बेंगलूरु नेवी स्ट्राइकर्स के बीच में बांटे जाएंगे। काँठाप्रांत विजयनगर मंडल के सभी सदस्यों ने सहयोग दिया। मंच का संचालन सिद्धार्थ बोहरा ने किया।

'अच्छे कार्य करने के लिए समता भाव जरुरी'

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में प्रवचन करते हुए विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि अच्छे कार्य करने से पूर्व समता भाव में रहना चाहिए। मन को तनाव रहित, दबाव रहित और प्रशांत चित्त में ही धर्म ठहरता है। छह आवश्यकों को समझाते हुए कहा कि संतश्री ने कहा कि जो व्यक्ति सामायिक, गुणकीर्तन, गुरु वंदन, प्रतिक्रमण, कायोत्सर्ग (ध्यान) एवं प्रत्याख्यान करना अर्थात आवश्यक आराधना का उपसंहार है। आवश्यक आराधना करने से आत्मा प्रसन्न व प्रशांत होती है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया ।

14वें पुण्यस्मरण पर हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पण

जन्म
07-07-1973

स्वर्गवास
15-09.2010

चन्द्र सा मुखडा तेरा चन्द्र सा रुप। चली गई तू चन्द्रा रह गई धूप।

स्व. चन्द्रादेवी
सुपौत्री : स्व. शा. फूलचन्दजी पन्नाजी श्रीश्रीमाल
सुपुत्री : श्रीमती मांगीबाई-मनोहरमल श्रीश्रीमाल

इस क्रूर काल चक्र ने हर ली चन्द्रा, हम सब रह गए स्तब्ध, चली गई चन्द्रा।

ऐसा लगता है कि जैसे ख़त्म मेला हो गया
उड़ गईं आँगन से चिड़ियाँ घर अकेला हो गया
देवालय में बजते शंख की ध्वनि है बेटी
देवताओं के हवन यज्ञ की अग्नि है बेटी
खुशनसीब हैं वो जिनके आँगन में है बेटी
जग की तमाम खुशियों की जननी है बेटी

श्रद्धावनत
माता-पिता : श्रीमती मांगीबाई-मनोहरमल
हीराचन्द, कांतिलाल, रमेशकुमार, विमलकुमार
भाई-भाभी : दिनेशकुमार-कविता, भतीज-भतीजी : हेतांश, याद्वी
एवं समस्त श्रीश्रीमाल खांटेड परिवार, अमरसर (सरत), जालोर/बेंगलूरु
बहन-बहनोई : रेखा-विमलजी वाणीगोता, अहमदाबाद, डिम्पल-मनोजजी दांतेवाडिया, बेंगलूरु,
पुत्र-पुत्रवधु : पीयूष-युक्ता, पुत्री-पुत्री दामाद : विधी-तुषारजी गुंदेशा

SHA HIRACHAND PHOOLCHAND & CO.
D.S. Lane, Chickpet, Bangalore - 560 053 Ph : 9448371770

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com